RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

रक्षाबंधन

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 56 ता. 22 अगस्त 2021, रविवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अफगान छात्रों के लिए आईआईटी ने बढ़ाए मदद के हाथ, एमटेक व पीएचडी में मिलेगा विशेष दाखिला

नई दिल्ली। हिंसाग्रस्त अफगानिस्तान के छात्रों के लिए विभिन्न आईआईटी ने मदद का हाथ बढ़ाया है। अफगानी छात्रों-छात्राओं को दाखिले से लेकर वीजा दिलाने, फीस माफी सहित वित्तीय मदद दिलाने की योजनाएं तैयार की हैं। दाखिले के लिए संस्थानों ने स्पेशल विंडो खोली है। इसके अलावा वीजा सुविधाओं के लिए संस्थान केंद्रीय गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं। इसके जरिये कोशिश यही है कि तालिबान की पाबंदियों का असर वहां के प्रतिभाशाली छात्रों की पढ़ाई पर न पड़े।

दाखिले के लिए दो हेल्पलाइन

आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. वी रामगोपाल राव ने बताया कि संस्थान ने अफगानी छात्रों के लिए दो हेल्पलाइन नंबर जारी किये हैं। इन पर फोन करके मदद मांगी जा सकती है। संस्थान में 16 अफगानी छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। यदि वे अफगानिस्तान में फंसे हैं, तो उनकी मदद की जाएगी। इसके अलावा वहां के छात्रों के लिए पीएचडी में दाखिले की विंडो विशेष रूप से खोली गई है। इसके अलावा उन्हें कैंपस में हॉस्टल सुविधा भी मिलेगी।

आईआईटी मद्रास देगा वित्तीय मदद-आईआईटी मद्रास का कहना है कि तीन अफगानी छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इनमें दो पीएचडी (अफगान गवर्नमेंट स्कॉलरशिप प्रोग्राम) और एक एमटेक (स्टडी इन इंडिया) प्रोग्राम के तहत आये हैं। तीनों छात्र अफगानिस्तान में फंसे हुए हैं। छात्रों ने संस्थान से मदद मांगी है। संस्थान के पास बड़ी संख्या में छात्रों ने आवेदन किया है। एमटेक और पीएचडी प्रोग्राम में इसी सत्र के लिए आठ छात्रों का चयन हुआ था। वे ऑनलाइन क्लास में पढ़ाई कर रहे थे। नियम पूरा करने वाले छात्रों की पढ़ाई, ट्यूशन फीस में कटौती और आर्थिक मदद भी की जाएगी। यदि वे भारत नहीं आ पाते हैं तो ऐसे छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई में मदद की जाएगी।

अफगान छात्रों के लिए आईआईटी ने बढ़ाए मदद के हाथ, एमटेक व पीएचडी में मिलेगा विशेष दाखिला

विशेष तौर पर केरल में मनाए जाने वाले त्योहार ओणम के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर सभी देशवासियों को बधाई दी। वहीं इसकी पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने भी सभी को शुभकामनाएं दी थीं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को ओणम की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व देश में सकारात्मकता, भाईचारा, सद्भाव को बढ़ावा दे। उन्होंने सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना भी की। लोगों को इस त्योहार की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि सकारात्मकता, भाईचारे व सद्भाव से जुड़े इस विशेष पर्व ओणम की सभी को शुभकामनाएं। मैं देशवासियों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। उन्होंने अपील की कि सभी इस पर्व को धूमधाम से मनाएं।

राष्ट्रपति ने भी दी शुभकामनाएं

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने भी शुक्रवार शाम को सभी को ओणम की बधाई दी थी। उन्होंने कहा था यह पर्व समाज में प्यार, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा दे। मैं सभी को इस पर्व की

शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही विशेष तौर पर देश भर में केरल के रहने वाले नागरिकों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि नई फसल की उपज के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला यह त्योहार किसान की अथक मेहनत को दर्शाता है और समाज में सद्भाव व प्रेम का प्रसार करता है। आगे कहा कि आइए इस मौके पर हम देश को उन्नति व सद्भाव के रास्ते पर ले जाने का संकल्प लें।

विशेष तौर पर केरल में मनाया जाता है ओणम

ओणम विशेष तौर पर केरल में मनाया जाने वाला त्योहार है। हर साल अगस्त से सितंबर के बीच में यह पर्व मनाया जाता है। इस बार यह त्योहार आज यानी 21 अगस्त को शुरू हो रहा है। हालांकि, यह 23 सितंबर तक चलेगा।

काली नदी को प्रदूषित करने वाली मुजफ्फरनगर की डीएसएम चीनी मिल से मुआवजा वसूलने का आदेश

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने एक समिति बनाकर आदेश दिए हैं कि वह काली नदी को प्रदूषित करने वाली मुजफ्फरनगर की डीएसएम चीनी मिल पर मुआवजा तय करें और दो महीने में वसूल कर रिपोर्ट दें। मिल पर आरोप हैं कि उसने अपने यहां से निकले प्रदूषित पानी को साफ न कर बरसाती नाले व ग्रामसभा के जलाशय में भेजा और काली नदी में प्रदूषण फैलाया। एनजीटी के अध्यक्ष जस्टिस एके गोयल की अध्यक्षता में बेंच ने आदेश में कहा कि मिल ने अपने यहां से निकले प्रदूषित पानी और ट्रीटमेंट का रिकॉर्ड तक नहीं रखा। उस पर मुआवजा चुकाने की जिम्मेदारी बनती है। पूर्व में तोड़े नियमों के लिए भी कार्रवाई होनी चाहिए। मुआवजे के जरिए प्रदूषण से हुए नुकसान दूर करने की कोशिश की जा सकती है।

सीपीसीबी और राज्य पीसीबी आदेश का करवाएंगे अनुपालन

एनजीटी ने इसके लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में लेवल-ई या उससे ऊपर के वैज्ञानिक, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य इंजीनियर या क्षेत्रीय अधिकारी और मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी की संयुक्त समिति बनाई है। उसे 1 महीने में मुआवजा राशि तय करनी होगी। सीपीसीबी और राज्य पीसीबी आदेश का अनुपालन करवाएंगे।

अवंतीपोरा में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ में जैश के तीन आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने शनिवार को जैश ए मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान चल रहा है। जानकारी के अनुसार, अवंतीपोरा के नागबेरन त्राल के वन इलाके के ऊपरी इलाकों में यह मुठभेड़ चल रही थी। दरअसल, खुफिया एजेंसियों को सूचना मिली थी कि वन इलाके में कुछ आतंकी छिपे हैं। सूचना मिलते ही जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना के जवानों ने इलाके को घेर लिया। आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को समर्पण के लिए कहा, लेकिन आतंकी नहीं माने। आतंकी लगातार सुरक्षाबलों पर फायरिंग करते रहे। इस पर सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े तीन आतंकियों का खात्मा कर दिया।

हिजबुल के हिट स्क्वायड के दो आतंकी ढेर

इससे पहले दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले के खीव में सुरक्षाबलों ने गुरुवार को रातभर चली मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के दो आतंकियों को मार गिराया। मारे गए आतंकी हिजबुल के हिट स्क्वायड के सदस्य थे जो इलाके में नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार थे।

दोनों आतंकी कई नागरिक हत्याओं में शामिल थे। इनसे एक एके 47 राइफल, एक पिस्टल तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद की गई हैं। सुरक्षाबलों का मानना है कि इनके मारे जाने से इलाके में नागरिकों के उत्पीड़न में कमी आएगी।

सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि वीरवार की देर रात पुलिस ने खीव में दो आतंकियों की मौजूदगी की सूचना दी। इस पर 50 राष्ट्रीय राइफल्स, पुलिस व 185 बटालियन सीआरपीएफ ने रात के एक बजे गांव की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। घेरा सख्त होता देख मकान में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, सुरक्षाबलों ने संयम बरता। उन्होंने तत्काल उस मकान और आस-पास के इलाके को खाली कराया जहां आतंकी छिपे थे ताकि वे क्रास फायरिंग की चपेट में न आएं। इसके बाद कई बार आतंकियों को समर्पण करने के लिए कहा गया,

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों कहा- विलय के बाद नए राज्य में कर्मी को आरक्षण से वंचित नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा कि विलय के बाद यदि कर्मी नए राज्य में जाते हैं तो वे उस राज्य के ही निवासी माने जाएंगे और उसे सेवा में आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। भले ही उनका निवास पुराना राज्य ही क्यों न हो। जस्टिस यूयू ललित की पीठ ने यह आदेश देते हुए झारखंड हाईकोर्ट के आदेश निरस्त कर दिया, जिसमें एक कर्मचारी को राज्य में माइग्रेट होकर आया माना गया और उसे आरक्षण का लाभ देने से मना कर दिया था। इस आदेश के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट आए थे।

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि इस मामले में यह देखा जाना चाहिए कि कर्मचारी ने 2000 के राज्य पुनर्गठन ऐक्ट के तहत स्वयं को झारखंड में विलय कर लिया था। ऐक्ट कहता है कि ऐसे कर्मी अपने साथ आरक्षण की व्यवस्था भी ले जाएंगे और उन्हें वही सुविधाएं दी जाएंगी जो उन्हें अविभाजित राज्य में रहने

पर मिलती हैं। कोर्ट ने कहा कि संविधान पीठ यह तय कर चुकी है कि माइग्रेंट लोग आरक्षण के हकदार नहीं होंगे, चाहे उनकी जाति उस राज्य में भी आरक्षित वर्ग के रूप में चिन्हित क्यों न हो। लेकिन पंकज का मामला ऐसा नहीं है। वह बाकायदा कानून के तहत सेवा के साथ विलय होकर झारखंड में आए हैं। इसके अलावा बिहार के 18 जिले, जिनसे झारखंड बना है उन जिलों में भी उनकी जाति को आरक्षण का लाभ प्राप्त था, ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि वह माइग्रेंट हैं।

कोर्ट ने आगे कहा कि उनका यह मामला भी नहीं है कि वह दोनों राज्यों में आरक्षण ले रहे हैं। उन्होंने झारखंड में ही आरक्षण मांगा बिहार में नहीं। अविभाजित बिहार में जो आरक्षण मिला था उसमें झारखंड शामिल था और उसके बाद उन्होंने झारखंड को ही चुना और वहीं रह गए। इसलिए उन्हें झारखंड में आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। कोर्ट ने आदेश दिया कि पंकज नियुक्त किया जाए और उन्हें वरिष्ठता दी जाए उसके अनुसार ही उनका वेतन भत्ते तय किए जाएं।

क्या था मामला-वर्ष 2000 में झारखंड के गठन से पूर्व पटना के पंकज कुमार हजारीबाग में शिक्षक के रूप में काम कर रहे थे। झारखंड अगल राज्य बनने पर उन्होंने झारखंड को ही चुना और वहीं विलय करवा लिया। 2008 में उन्होंने संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा दी और 2010 में आए परिणाम में आरक्षित वर्ग में पांचवें नंबर पर चयनित हो गए।

स्वास्थ्य मंत्री बोले-पक्के तौर पर नहीं पता कब तक आएगी-कोरोना की तीसरी लहर

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने आज कहा कि यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि देश में कोरोना की तीसरी लहर कब तक आएगी। अपने गृह राज्य गुजरात के दौरे पर आए मांडविया ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि कोरोना की तीसरी लहर कब आएगी यह कहना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि पर ऐसी किसी भी सम्भावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई है। सरकार इसके लिए अस्पतालों में पर्याप्त बेड और दवाओं आदि की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। मांडविया ने गुजरात में कोरोना टीकाकरण की गति पर संतोष जताया और कहा कि आज कल प्रति दिन क़रीब पांच लाख डोज़ दिए जा रहे हैं। कुल टीकाकरण का आंकड़ा चार करोड़ के पार पहुंच गया है। ज्ञातव्य है कि मांडविया सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की जन आशीवार्द यात्रा कार्यक्रम के सिलसिले में कल गुजरात आए थे। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में उतार-चढ़ाव जारी है। बीते शुक्रवार के आंकड़ों की बात करें तो 24 घंटे में कोरोना के 36,571 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 540 लोगों की जान गई है। कोरोना से रोजना मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी जारी है। बीते कुछ दिनों से यह आंकड़ा 530 के आसपास रहता था, लेकिन शुक्रवार को संक्रमण से 540 लोगों ने दम तोड़ दिया। वहीं, 36,740 संक्रमित मरीज इस बीमारी को मात देकर घर लौट चुके हैं। सक्रिय मरीजों की तादाद अभी तीन लाख 63 हजार है, जो 150 दिन में सबसे कम है। आईसीएमआर के अनुसार 19 अगस्त को 18 लाख 86 हजार 271 लोगों की कोरोना जांच की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के मुताबिक, कोरोना से ठीक होने की दर 97.54 फीसदी है। इससे पहले गुरुवार को कोरोना के 36,401 नए केस दर्ज किए गए थे और 530 लोगों की मौत हो गई थी।

दिल्ली-एनसीआर में हो रही झमाझम बारिश, कई जगहों पर जलभराव, मिंटो ब्रिज पर आवाजाही बंद

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बारिश होने से मौसम सुहाना हो गया है। दिल्लीवासियों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। बारिश के कारण राजधानी के तापमान में भी गिरावट आई है। हवा में भी ठंडक बढ़ गई है। मौसम विभाग ने पहले ही आशंका जताई थी कि दिल्ली में शुक्रवार से बारिश का सिलसिला शुरू हो जाएगा जो अगले 4-5 दिन तक जारी रहेगा। वहीं जलभराव की वजह से परेशानी भी हो रही है। शुक्रवार देर रात दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में हुई बारिश ने उमस भरे माहौल को खत्म कर दिया है। विभाग ने आज के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में गरज और बिजली के साथ बारिश हो सकती है। विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने

विभाग ने आज के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में गरज और बिजली के साथ बारिश हो सकती है। विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने की संभावना है।

की संभावना है। वहीं बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है। तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। विभाग के अनुसार, दिल्ली में महीने के आखिरी 10 दिन में अच्छी बारिश हो सकती है। माना जा रहा है कि इससे दिल्ली में अबतक हुई कम बारिश की भरपाई हो सकती है। विभाग ने इस महीने सामान्य बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं अगले 24 घंटे में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भी हल्की बारिश की संभावना है।

जगह-जगह जलभराव-भारी बारिश की वजह से दिल्ली में जगह-जगह पानी भर गया है। इसकी वजह से आवागमन में दिक्कत आ रही है। सबसे ज्यादा नौकरीपेशे वाले लोगों को परेशानी हो रही है। जलभराव की वजह से मिंटो रोड पर ट्रैफिक मूवमेंट को बंद कर दिया गया है। वहीं प्रगति मैदान में वाहन पानी से भरी सड़कों पर चलते हुए दिखाई दिए। इसके अलावा मूलचंद में भी पानी भरने के कारण इसका असर वाहनों के आवागमन पर पड़ा है।

भारतीय वायुसेना का सी-17 एयरक्राफ्ट काबुल रवाना होने के लिए तैयार

250 भारतीयों को लाएगा वापस

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का सी-17 परिवहन एयरक्राफ्ट काबुल के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार है। सूत्रों के मुताबिक, इसके जरिए तालिबान के कब्जे के बाद जंग के हालात में उलझे अफगानिस्तान में फंसे भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जैसे ही पर्याप्त भारतीय नागरिक अफगान राजधानी के हवाई अड्डे पहुंचेंगे, वायुसेना का विमान काबुल रवाना हो जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि भारत अमेरिकी सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि भारतीय वायुसेना केपरिवहन एयरक्राफ्ट को काबुल तक पहुंचाया जा सके। सरकार को उम्मीद है कि इस सी-17 में 250 भारतीयों को निकाला जा सकता है। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उनमें से कितने हवाईअड्डे तक पहुंचने में सक्षम हैं, क्योंकि काबुल पर तालिबान का कब्जा है और हर चौकियों और चेकपॉइंट्स पर भी उसके लड़ाके नजर बनाए हुए हैं।

400 से ज्यादा भारतीय फंसे

रिपोर्ट्स के मुताबिक, काबुल के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट की उड़ान मुश्किल साबित हो रही है, इसलिए आईएएफ को

स्टैंडबाय पर रखा गया है। माना जा रहा है कि फिलहाल अफगानिस्तान में 400 से ज्यादा भारतीय फंसे हुए हैं, जिन्हें वहां से बाहर निकालने की जरूरत है। हालांकि, सटीक आंकड़ा फिलहाल साफ नहीं हो पाया है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय अफगान नागरिकों के वीजा आवेदनों का भी आकलन कर रहा है।

दो सी-17 एयरक्रफ्ट से लोगों को निकाला-इससे पहले वायुसेना के दो सी-17 विमानों ने 15 अगस्त को भारतीय दूतावास के कर्मचारियों को निकालने के लिए काबुल से उड़ान भरी थी। इसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान भी शामिल थे, जिन्हें कर्मचारियों की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था। काबुल हवाई अड्डे पर अराजकता को देखते हुए विमान ने बहुत ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उड़ान भरी थी। यहां हजारों हताश अफगानी नागरिक देश से बाहर उड़ान भरने की उम्मीद में पहुंचे थे।

भारतीय मिशन के लोगों के एक और समूह को वायुसेनाके दूसरे सी-17 में सवार किया गया था। इसमें राजदूत रुद्रेंद्र टंडन सहित 120 से अधिक लोग शामिल थे। उन्हें मंगलवार सुबह सुरक्षित रूप से अफगान हवाई क्षेत्र से निकला गया।

सार समाचार

केंद्रीय मंत्री से हो गयी बड़ी गलती, श्रद्धांजलि देने के लिए शहीद जवान के बजाय जीवित सैनिक के घर पहुंचे

बेंगलुरू। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री ए नारायणस्वामी बृहस्पतिवार को शहीद जवान के बजाय एक जीवित जवान के घर पहुंच गए और उन्होंने जवान के परिजन को सरकारी नौकरी तथा जमीन देने की भी घोषणा कर दी। संभवत- स्थानीय नेताओं की ओर से गलत जानकारी दिये जाने की वजह से ऐसा हुआ। केंद्र सरकार में हाल ही में मंत्री बनाए गए नारायणस्वामी अपनी 'जन आशीर्वाद यात्रा' के तहत गाडग जिले में थे। भाजपा के सूत्रों के अनुसार, उन्हें पुणे में एक साल पहले जान गंवाने वाले बसवराज हिरेमठ के बजाय जवान रविकुमार कट्टीमनी के घर ले जाया गया, जो इस समय जम्मू कश्मीर में तैनात हैं। मंत्री के यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, उन्हें मृत जवान के परिवार से मिलना था और उन्हें सांत्वना देनी थी। सूत्रों ने बताया कि नारायणस्वामी संसद सदस्य शिवकुमार उदासी के साथ तय समय से देरी से जिले के मुलागुंड में पहुंचे जहां उन्हें कट्टीमनी के आवास ले जाया गया। इससे जवान के परिवार वाले हैरान हो गये। जब मंत्री ने जवान के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और जमीन दिये जाने की घोषणा की तो वे चौंक गये। बाद में एक स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता ने कट्टीमनी को वीडियो कॉल किया और उनकी बात मंत्री से कराई। सूत्रों ने बताया कि नारायणस्वामी को जब अपनी इस भूल का पता चला तो उन्होंने स्थिति को संभालते हुए जवान की तारीफ की और उनके परिवार को सम्मानित किया।

हरियाणा: पुलिस के सामने भिड़े दो गुट, एसआई गंभीर रूप से घायल

भिवानी। हरियाणा के भिवानी जिले स्थित गांव पैंतावास कलां में बीती रात पुलिस के सामने ही दो पक्षों में जमकर पत्थरबाजी हुई, जिसमें पुलिस उपनिरीक्षक सहित कई लोग घायल हो गए। घायल पुलिकर्मी की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। सदर थाना पुलिस ने इस संबंध में सात नामजद समेत अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि सूचना के आधार पर शुक्रवार रात करीब नौ बजे पुलिस टीम उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह के नेतृत्व में गांव पहुंची जहां के चौक पर दो पक्षों में झगड़ा हो रहा था। पुलिस की शांति की अपील के बावजूद लोग नहीं माने और इस दौरान दोनों पक्षों में पत्थरबाजी हुई। एक पत्थर महेंद्र सिंह के सिर पर भी लगा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लहुलूहान हालत में उपचार के लिए उन्हें सिविल अस्पताल लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रोहतक पीजीआई रेफर किया गया। पुलिस ने घायल उपनिरीक्षक के बयान के आधार पर सात नमजद सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मनीष सिसोदिया ने राकेश अस्थाना को बताया पीएम का ब्रह्मास्त्र, कहा- हम डरने वाले नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सिसोदिया ने दावा किया कि सूत्रों से पता चला है है कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने ईडी, सीबीआई और दिल्ली पुलिस को छापेमारी और 15 लोगों के खिलाफ फर्जी मामले दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं ताकि आने वाले चुनाव में इन्हें बर्बाद किया जा सके। सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री इसके लिए अपने ब्रह्मास्त्र राकेश अस्थाना का इस्तेमाल कर रहे हैं। जाहिर सी बात है कि भाजपा आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से डर रही है। लेकिन वह फिर भी असफल होंगे। मनीष सिसोदिया ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी का स्टैंड यह है कि हम ईमानदारी से काम करते रहेंगे, प्रधानमंत्री जिसे भेजना चाहे भेज लें, हमारे खिलाफ जो जांच कराना चाहे करा लें लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि इससे पहले सीबीआई ने कई जांच किए लेकिन क्या मिला? उन्होंने दावा किया कि 21 विधायकों के खिलाफ कई तरह के मुकदमे दर्ज किए गए। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बेडरूम तक पुलिस को भेज दिया गया लेकिन कुछ नहीं मिला।

मोहर्रम के दिन मरने वालों को मिलती है जन्नत,अपनी मां से यह सुनकर युवती ने लगाई फांसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में आत्महत्या का एक अजीब मामला सामने आया है। यहां 15 साल की नाबालिग लड़की ने मरने के बाद जन्नत जाने के लिए फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी के मुताबिक लड़की ने आखिरी बार अपनी मां से बातें की थी। दरअसल पूरा मामला इंदौर की रहने वाली राबिया का है जसिने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दरअसल आत्महत्या से पहले युवती ने अपनी मां से इमाम हुसैन के बारे में पूछा था कि क्या आज के दिन इमाम हुसैन शहीद हुए थे। और आज मरने वाले लोग क्या जन्नत जाएंगे। जिसका उत्तर देते हुए मां ने कहा कि हां आज के दिन मरने वाले लोग जन्नत जाते हैं। यह उत्तर सुनने के कुछ ही देर बाद लड़की ने अपने कमरे में जाकर कपड़े का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। वहीं मामले का तब पता चला जब रोजा खोलने के लिए युवती को उसके पिता ने बुलाया। लेकिन कमरा नहीं खोलने पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया सुर अंदर घुस गए। वहां पर राबिया फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के अस्पताल में भेज दिया।

जब अवसर मिलता तो परिणाम देने में कोई कमी नहीं करती महिलाएं : निर्मला सीतारमण

लखनऊ। (एजेंसी)।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति' के तीसरे चरण की शुरुआत शनिवार को की। मिशन शक्ति के तीसरे चरण का यह अभियान 31, दिसंबर 2021 तक चलेगा। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित मिशन शक्ति के तीसरे चरण के समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सीतारमण ने अभियान की सराहना की।

उन्होंने कहा,''जब प्रोत्साहन मिलता है, अवसर मिलता है तो महिला उसमें शामिल होने में संकोच नहीं करती, शामिल होने के बाद परिणाम देने में भी कोई कमी नहीं करती है, यही महिला की विशेषता है। मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्तमंत्री ने कहा, 'ऐसे ऊर्जावान मुख्यमंत्री के रहने से ही राज्य प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकता है। मुझे भरोसा है कि उत्तरप्रदेश तेजी से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा और उसमें महिलाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका दिखेगी।' उन्होंने कहा,'उत्तरप्रदेश में ऐसे मुख्यमंत्री के रहते हुए महिलाओं का भविष्य बहुत उज्जवल है। उत्तरप्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था बनाने के लिए और महिलाओं को सुरक्षित रखने के लिए तथा संपूर्ण विकास के लिए मुख्यमंत्री लगातार प्रयास कर रहे हैं, उन्हें मैं हार्दिक बधाई देती हूं।'' वित्तमंत्री ने कहा कि जहां हर गांव में बैंक पहुंचना संभव नहीं है, वहीं उत्तर प्रदेश अकेला ऐसा राज्य है जहां महिला को बैंक मित्र बनाकर और हर गांव में तैनात कर मुख्यमंत्री ने एक महत?वपूर्ण विचार को आगे बढ़ाया।

सीतारमण ने कहा, 'गांव में कृषि पैदावार के स्टोरेज (भंडारण) के लिए केंद्र सरकार पैसे देती है, मैं सभी महिला स्वयं सहायता समूहों से अनुरोध करती हूं कि वे अपने गांवों में ऐसे स्टोरेज क्षमता बनाएं जिसमें उत्पादन को स्टोर किया जा सके और जब ज्यादा मुनाफा मिले तब वे उसे बेचे। इससे आपके हाथों में एक नया कारोबार आएगा और ज्यादा लाभ कमा सकोगी।' पुरानी स्मृतियों को ताजा करते हुए उन्होंने कहा, दक्षिण में कन्याकुमारी से मुंबई तक आनंदीबेन पटेल के साथ 18-19 साल पहले एक फ्लाइट में यात्रा की याद दिलाना चाहती हूं। तब आनंदीबेन पटेल गुजरात में शिक्षा मंत्री होती थीं। तब उन्होंने (आनंदीबेन पटेल) विस्तार से महिला शिक्षा के लिए किये गये प्रयासों की चर्चा की थी।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्रित्व काल का प्रसंग सुनाते हुए बताया,'उन्होंने (मोदी ने) पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी के लिए विशेष प्रयत्न किया।

मोदी जी जब 2014 में मुख्यमंत्री पद छोड़कर प्रधानमंत्री बने तो दिल्ली आने से पहले मिले उपहारों की नीलामी कर कन्या शिक्षा के मद में दे दिया। मोदी जी की प्राथमिकता में महिला है, जनधन हो, उज्ज्वला योजना हो, स्वामित्व हो, पोषण अभियान हो या मुद्रा लोन हो, सबमें महिलाओं को ही अग्रणी स्थान मिला है। प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडल का विस्तार किया तो अधिक से अधिक महिलाओं को मंत्री बनने का मौका दिया।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयास से अधिक से अधिक टीके का उत्पादन हो रहा है और कोरोना काल में हम अधिक से अधिक लोगों को टीके की खुराक दे सकेंगे जिससे आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में सामान्य रूप से खुल सकेंगे बाजार, शाम 8 बजे तक खुले रहने की समय सीमा खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में अब बाजारों को पूरी तरह से खोलने की इजाजत दे दी गई है। इसके साथ ही बाजार अब सामान्य समयानुसार खुल सकेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बयान के मुताबिक करोना की वजह से अभी तक दिल्ली के बाज़ारों को शाम 8 बजे तक खुलने की इजाज़त थी। लेकिन अब कोरोना के मामले कम होने की वजह से सोमवार से समय सीमा हटाई जा रही है। अब बाज़ार अपने सामान्य समयानुसार खुल सकेंगे।

आपको बता दें कि कोरोना महामारी की वजह से दिल्ली में बाजारों को बंद किया गया था। अब महामारी में कमी देखी जा रही है। दिल्ली सरकार के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक राजधानी में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 19 नए मामले आए हैं जबकि इसी दौरान 48 लोग ठीक हुए हैं। दिल्ली में फिलहाल पॉजिटिविटी रेट 0.03 प्रतिशत है जबकि फुल सक्रिय मामले फिलहाल 430 हैं।

नि:शुल्क सामूहिक विवाह बैठक हुआ संपन्न

संवाददाता जनार्दन गौड़।

जौनपुर। श्री ऊमर वैश्य समित जौ नपुर के तत्वाधान में कार्यसमिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन जिले के गुलजारगंज बाजार में स्थित चौरा माता मंदिर पर हुआ, इस बैठक में जिले के कोने-कोने से समिति के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित हुए इस महत्वपूर्ण बैठक में आये हुए सभी स्वजातीय बंधुओं का *जिलाध्यक्ष जगदीश व जिला महामंत्री डॉ0 राकेश कुमार उमर वैश्य, व पदाधिकारियों ने* माल्यार्पण किया और अंगवस्त्र व मातारानी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया।

सामूहिक विवाह के संयोजक व जिलाकोषाध्यक्ष अशोक कुमार उमर वैश्य ने सभी स्वजातियों को तिलक लगाया और बुके देकर सम्मानित किया, कार्यक्रम में *अ0भा0महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कपिलमुनि व राष्ट्रीय महामंत्री श्यामधर %एडवोकेट%, राष्ट्रीय मंत्री महासभा राकेश कुमार ऊमर वैश्य भदोही* ने लोगों को संबोधित करते हुए समाज को कैसे और मजबूत बनाया जाये इसके लिये सुझाव दिया इस कार्यक्रम के मौके पर शिवगोविंद द्वारा सभी स्वजातीय बंधुओं में इम्यूनिटी पावर किट व मास्क का वितरण किया गया। इस मौके पर

शिवकुमार मीरगंज, स्वामीनाथ महराजगंज, अवधेश चंद्र , अमित , घनश्याम , योगेश चन्द्र उमर वैश्य नौपेडवा पप्पू उमर नौपेडवा अन्य स्वजातिय बंधू लोग शामिल हुवे ।

विजयनगर पाठ स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए : नायडू

विजयनगर (कर्नाटक) (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि बच्चों के लिए स्कूली पाठ्यक्रम में देश में विजयनगर साम्राज्य के पूरे इतिहास का पाठ शामिल होना चाहिए। अपने परिवार के सदस्यों के साथ शनिवार को विश्व धरोहर स्थल हम्पी की अपनी यात्रा के दौरान मीडिया से बात करते हुए, नायडू ने कहा कि विजयनगर साम्राज्य ने विश्व स्तरीय शिल्पकारों और कवियों को प्रोत्साहित किया। उस समय नई प्रतिभाओं के उभरने के पर्याप्त अवसर थे। उन्होंने कहा, यह इतिहास छात्रों को पढ़ाया जाना चाहिए, मुझे ऐसा लगता है। विरुपाक्ष मंदिर के अधिकारियों द्वारा उपराष्ट्रपति का पारंपरिक स्वागत किया गया। मंदिर के हाथी लक्ष्मी ने उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत किया। वेंकैया नायडू ने हम्पी में विरुपक्षेश्वर, पार्वती और भुवनेश्वरी मंदिरों में विशेष पूजा की। हम्पी विद्यारण्य पीठ के द्रष्ठा विद्यारण्य भारतीश्वर भी यात्रा के दौरान उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने हम्पी में पंपबिक और भुवनेश्वरी मंदिरों का भी दौरा किया। नायडू ने हम्पी की कला और शिल्प की सराहना की। निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद रविवार सुबह वह हुबली जाएंगे।

अचानक सपा जिलाउपाध्यक्ष ने बाढ क्षेत्र का किया दौरा सरकार के कामों की खोलीं पोल

बरहज।

विधानसभा बरहज बाढ़ ग्रसित क्षेत्र कटैलवा और कुरह परसिया,का शनिवार को समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष अवधेश चौधरी ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ दौरा कर जाना जनता का हाल, तेजी से बढ़ रहे सरयू के जल स्तर से कटान तेज हो गयी है जिससे तटवर्ती क्षेत्र के लोगो की नीदे हराम होगयी है,डरे सहमे कटैलवा निवासी मिश्री लाल निषाद,अमित निषाद, सुधाकर निषाद, रामावतार,व पुराना बिनटोलिया निवासिनी लालमती देवी,सुभिया देवी, विमलावती देवी,विन्दा देवी,लवंगी,धर्मावती आदि ने सपा नेता को अपनी समस्या से अवगत कराया,और कहा कि बाढ़ से हो रहे कटान को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा कोई कार्य नही किया जा रहा है,और नही कोई राहत सामग्री दी जा रही हम लोगो को रात जाग कर काटना पड़ रहा है अब तक प्रशासन द्वारा कोई राहत कार्य नही किया गया,वही कुछ महिलाओं ने कहा कि आज तक हम लोगो को न आवास और न शौचालय मिला,जिनको शौचालय मिला है तो उसमें सीटे नही है, ऐसे में खुले में शौच करने के लिए मजबूर है और सरकार द्वारा बाढ़ से बचाव के लिए स्थायी तौर पर कोई कार्य नही किया गया, वही जनता से रूबरू होते हुए सपा जिलाउपाध्यक्ष चौधरी ने कहा कि पूर्व में अखिलेश सरकार द्वारा बाढ़ राहत के लिए जारी धन का बन्दरबाट किया गया 2022 में सपा सरकार के आने पर इसकी जांच करा कर दोसीयो को बक्सा नही जाएगा, और आप लोगो की समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा।

भाजपा सरकार के विरोध मे अब साधु संत भी उतरे विश्व हिन्दू सेना

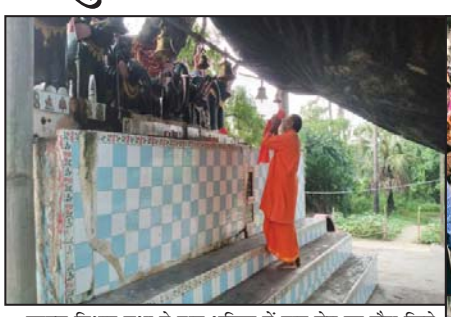

बरहज बिधान सभा मे ग्राम भदिला में बाढ़ छेत्र का दौरा किये यहां की हालत बहुत दयनीय है ना सरकार ना प्रशासन ध्यान नही दे रहा है यहां की जनता त्राहिमाम होइ है ना खाने ना पीने का दवा तमाम समस्या से यहां के लोग परेशान है इस पर ध्यान दिया जाए जिला अधिकारी देवरिया Sdm बरहज मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी ,अवधेश चौधरी जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी देवरिया 342 बिधान सभा छेत्र बरहज ,अमरजीत यादव शिबु पांडये धमरेंद्र यादव इंद्रजीत यादव तमाम साथीयो के संग बाढ़ छेत्र का दौरा किया।

कश्मीर में तालिबान सहित सभी सुरक्षा चुनौतियों से निपटेंगे: पुलिस महानिरीक्षक

श्रीनगर। (एजेंसी)।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विजय कुमार ने शनिवार को कहा कि सुरक्षा बल सतर्क हैं और घाटी में तालिबान सहित सभी चुनौतियों से निपटेंगे। कुमार ने जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने के लिए लोगों का सहयोग मांगा। कुमार ने पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके में सेना के विक्टर फोर्स के मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''एक पुलिस अधिकारी के रूप में बोलूं तो जो भी आतंकवादी यहां आता है, मेरा यह काम है कि मैं उसके बारे में जानकारी एकत्रित करूं और सेना के साथ अभियान में उसका खात्मा करने के साथ ही खतरे को समाप्त कर दूं।'' कश्मीर में तालिबान के खतरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हम सभी चुनौतियों से पेशेवर तरीके से निपटेंगे और हम पूरी तरह सतर्क हैं।'' आईजीपी ने लोगों से आतंकवादियों, आत्मघाती हमलावरों या आईईडी लगाने की योजना बनाने वाले किसी व्यक्ति के बारे में जानकारी साझा करने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसे तत्वों से समाज को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, ''यदि कोई बड़ी घटना होती है, तो सबसे पहले स्थानीय लोगों को नुकसान होगा, पर्यटक यहां आने से डरेंगे, तो इसका असर किसकी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा? वह स्थानीय अर्थव्यवस्था होगी। इसलिए, मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि इस तरह की किसी भी जानकारी को पुलिस या सुरक्षा बलों के साथ साझा करें।'' राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं पर हमलों के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि वे आतंकवादियों के लिए आसान निशाना हैं। उन्होंने कहा, ''राजनीतिक कार्यकर्ताओं को लगातार निशाना बनाया गया है क्योंकि वे पुलिसकर्मियों की तरह आसान लक्ष्य होते हैं। यह पहले भी हुआ है।'' आईजीपी ने कहा कि पुलिस अधिकतम ऐसे लोगों को सुरक्षा मुहैया करा रही है, लेकिन सभी को सुरक्षा मुहैया कराना 'संभव नहीं' है। कुमार ने कहा, ''हालांकि, अगर किसी को खतरे की आशंका है या वह संवेदनशील इलाके में रहता है, तो उसे आकलन के बाद सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।'' उन्होंने कहा कि अपनी पार्टी के नेता गुलाम रसूल लोन की हाल ही में कुलगाम जिले में की गई हत्या में पुलिस को सुराग मिला है। उन्होंने कहा, ''हमें सुराग मिले हैं और जल्द ही हम उन्हें या तो गिरफ्तार कर लेंगे या फिर मुठभेड़ में खत्म कर देंगे।'' लोन की बृहस्पतिवार को आतंकियों ने कुलगाम के देवसर इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी थी।

मोदी विरोधी शायर मुन्नवर राना को अब मोदी से 'इश्क'

लखनऊ (एजेंसी)।

लगता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रबल विरोधी और लखनऊ निवासी प्रख्यात शायर मुनव्वर राणा ने समय के साथ चलना सीख लिया है। राना साहब की पहचान ऐसे शख्स के तौर पर है जो मोदी का विरोध करते-करते देश का विरोध करने लगता है। अवार्ड वापसी की मुहिम का हिस्सा बन जाता है,लेकिन इन्हीं मुन्नवर को आजकल मोदी की तारीफ में कसीदे पढ़ते देख जा सकता है। गत दिवस एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में मुन्नवर राना इस बात पर खेद जता रहे थे कि उन्होंने पीएम मोदी को बहुत उलटा-सीधा कहा,जिसके लिए वह(मुन्नव) अपने आप से शर्मिंदा भी महसूस हो रहे थे। लेकिन राना साहब की जुबान तो फिसलती ही रहती है। भले ही उन्हें अब पीएम अच्छे लगने लगे हों,लेकिन तालीबान को भी वह बुरा नहीं मानते हैं तालीबान की तुलना मुन्नव महर्षि वाल्मिकी से कर बैठे,जिसके बाद दलित समाज ने उनके खिलाफ लखनऊ में केस दर्ज करा दिया। आश्चर्य तब हुआ जब केस दर्ज होते ही मुनव्वर राना अपने बयान से पलट गए। एक न्यूज चौनल से बातचीत में राना ने कहा कि तालिबान पर उनके बयान को जरा भी गंभीरता से न लें। तालिबान तो एक जंगली कौम है। तालिबानियों के पक्ष में बयान देने के मामले में लखनऊ में एफआइआर दर्ज होने के बाद शायर मुनव्वर राना के सुर बदले तो वह कहने लगे उन्हें पीएम नरेंद्र मोदी से इश्क भी हो गया है और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी वह बेहद मुरीद हो गए हैं।

सार समाचार

तालिबान ने 72 अफगान सिखों और हिंदुओं को भारत आ रहे वायुसेना के विमान में चढ़ने से रोका

काबुल। तालिबान ने भारतीय वायु सेना के विमान में सवार होने से अफगानिस्तान संसद के दो अल्पसंख्यक सदस्यों सहित 72 अफगान सिखों और हिंदुओं के एक जत्थे को रोक दिया है। उन्हें काबुल एयरपोर्ट से वापस भेज दिया गया। द इंडियन एक्सप्रेस की खबर के अनुसार विश्व पंजाबी संगठन (डब्ल्यूपीओ) के अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह साहनी ने कहा कि भारत जाने की मांग करते हुए, अफगान सिखों और हिंदुओं का यह पहला जत्था शुक्रवार से 12 घंटे से अधिक समय से हवाई अड्डे के बाहर इंतजार कर रहा था। तालिबान लड़ाकों ने उन्हें भारतीय वायुसेना के विमान में चढ़ने से रोक दिया और कहा कि चूंकि वे अफगान हैं, इसलिए उन्हें वापस जाना चाहिए। लगभग 80 भारतीय नागरिकों के साथ सवार होना था। साहनी ने कहा। 'अब अफगान सिखों और हिंदुओं को निकालने का एकमात्र तरीका तालिबान के साथ बातचीत करना और उन्हें बताना है कि सिखों को इस साल के अंत में गुरु तेग बहादुर जी की 400 वीं जयंती समारोह के लिए भारत आने की जरूरत है। तालिबान के अधिग्रहण के बाद से, 280 अफगान सिखों और 30-40 हिंदुओं के एक समूह ने काबुल के करता परवन गुरुद्वारे में शरण ली है। उन्होंने तालिबान के प्रतिनिधियों के साथ भी दो बैठकें कीं, जिन्होंने उन्हें 'शांति और सुरक्षा' का आश्वासन दिया और कहा कि उन्हें देश छोड़ने की जरूरत नहीं है।

तालिबान ने अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में लड़के-लड़कियों के साथ पढ़ने पर लगायी रोक

काबुल। अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करने का आश्वासन देने के कुछ दिनों बाद तालिबान के अधिकारियों ने अशांत हेरात प्रांत में सरकारी तथा निजी विश्वविद्यालयों में लड़के और लड़कियों के एक साथ पढ़ने पर रोक लगाते हुए इसे ''समाज में सभी बुराइयों की जड़'' बताया। खामा प्रेस समाचार एजेंसी ने शनिवार को बताया कि विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों, निजी संस्थानों के मालिकों और तालिबान प्राधिकारियों के बीच बैठक के बाद यह फैसला लिया गया।अफगानिस्तान में गत सप्ताह सत्ता पर अचानक कब्जा जमाने के बाद से यह तालिबान का पहला 'फतवा' है। तालिबान का लंबे समय से प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद मंगलवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आया था और उन्होंने वादा किया था कि तालिबान इस्लामी कानून केतहत महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करेगा। विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और निजी शैक्षणिक संस्थानों के मालिकों के साथ तीन घंटे तक चली बैठक में तालिबान के प्रतिनिधि और अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा प्रमुख मुल्ला फरीद ने कहा कि कोई विकल्प नहीं है और लड़के-लड़कियों का साथ पढ़ना खत्म होना चाहिए।

हैती में भूकंप पीड़ितों को मदद का इंतजार, खाद्य सामान की हो रही चोरी

लेस कायेस (हैती)। हैती में आए विध्वंसकारी भूकंप के कारण बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं और भुखमरी का सामना कर रहे हैं तथा कुछ मामलों में तो उन्होंने शुक्रवार को जरूरत के सामान चोरी भी किए। कैरिबियाई देश में 14 अगस्त को 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें करीब 2,200 लोगों की मौत हो गयी, 12,000 से अधिक घायल हो गए तथा 1,00,000 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। छोटे बंदरगाह शहर लेस कायेस में एपी के फोटोग्राफर ने लोगों को रेड क्रॉस परिसर में खड़े एक ट्रक से सामान चुराते हुए देखा। देश की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अधिकारी जीन माइकल सबा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस खाद्य सामान से भरे ट्रक को सुरक्षित निकालने में कामयाब रही। उन्होंने यह नहीं बताया कि कितना सामान चुराया गया। लेस कायेस के समीप वे तेरे शहर में भी चोरी की ऐसी घटनाएं सामने आयी। हैती में राहत कार्य की धीमी गति से लोग काफी नाराज हैं लेकिन शुक्रवार को पहली बार इतने बड़े पैमाने पर राहत सामग्री की चोरी की घटनाएं हुई। जिन ट्रकों को लूटा गया उनमें से कुछ अमेरिका के गैर-लाभकारी समूह 'फूड फॉर द पुअर' के काफिले का हिस्सा थे।

पाक झुग्गी बस्ती में अफगानिस्तान में तालिबान शासन से भागने वाले लोगों की आमद बढ़ी

कराची। पाकिस्तान के घनी आबादी वाले शहर कराची के बाहरी इलाकों में एक झुग्गी बस्ती है जहां हाल के दिनों में उत्तरी कुंदुज प्रांत में तालिबान शासन से भागकर आ रहे अफगान परिवारों की आमद बढ़ गई है। कराची के बाहर राजमार्ग से कुछ दूर उत्तरी सीमावर्ती इलाके में स्थित,कंक्रीट और मिट्टी के घरों से बनी अफगान बस्ती (झुग्गी बस्ती), जहां तिरपाल तंबू लगाकर रहने वाले परिवार भी हैं, वहां अफगानिस्तान पर और काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद से अधिक विस्थापित अफगान परिवारों का प्रवाह देखा जा रहा है। कराची में पिछले 25 वर्षों से रह रहे एक बुजुर्ग अफगान हाजी अब्दुल्ला ने कहा, 'हमें आश्चर्य नहीं हुआ और पिछले दो हफ्तों में यहां 500 से 600 परिवार आए हैं, जिसका मतलब है कि महिलाओं और बच्चों समेत करीब चार से पांच हजार लोग होंगे जो हमारे साथ बस्ती में रहने आएंगे।' उन्होंने कहा, 'इन परिवारों के पास कहीं और जाने के लिए नहीं है और ज्यादातर कुंदुज और अन्य प्रांतों के विभिन्न हिस्सों से संबंधित हैं जहां तालिबान ने कब्जा कर लिया है। ये बलोचिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में तस्करी के रास्ते से आए हैं।' करीब 2,00,000 अफगान झुग्गी बस्ती में रहते हैं, जबकि दक्षिणी शहर कराची भी कुछ 5,00,000 अफगान शरणार्थियों का घर है, जो ज्यादातर शहर में मजदूरों के रूप में काम करते हैं या पश्तून बहुल इलाकों में अपनी छोटी दुकानें और व्यवसाय चलाते हैं। इनमें से कई अफगान संपन्न भी हैं और कराची के समृद्ध इलाकों में कपड़ा, निर्माण और फर्नीचर व्यवसाय चलाते हैं और वहां किराए के घरों और अपार्टमेंट में भी रहते हैं।

जानें हक्कानी नेटवर्क का पूरा इतिहास, जिसे तालिबान ने सौंपी काबुल की सुरक्षा की जिम्मेदारी

काबुल। (एजेंसी)।

तालिबान के कुछ शीर्ष नेता काबुल में एक नई अफगान सरकार के गठन पर चर्चा करने के लिए एकत्र हो रहे हैं - जिसमें हक्कानी नेटवर्क का एक प्रतिनिधि भी शामिल है, जो देश के सबसे खूंखार उग्रवादी हैं। हाल के वर्षों में कुछ सबसे घातक हमलों के लिए हक्कानी को दोषी ठहराया गया है, जिसमें नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और विदेशी बलों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान के इशारे पर पूरा हक्कानी नेटवर्क अफगानिस्तान में एक्शम मोड में है। पर्दे के पीछे से सारी साजिशों को इसका चीफ सिराजुद्दीन हक्कानी लीड कर रहा है। अफगानिस्तान में सरकार बनाने की जो कोशिश चल रही है इसमें सिराजुद्दीन का भाई अनस हक्कानी भी शामिल है। इसी बीच तालिबान ने काबुल की सुरक्षा सिराजुद्दीन के चाचा खलील हक्कानी को सौंप दी है। उन्होंने इस बात का आश्वासन दिया था कि काबुल के लोगों को सही से सुरक्षा पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। इसके कुछ घंटों बाद तालिबान ने 'अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात' का ऐलान किया था।

हक्कानी कौन हैं?

हक्कानी नेटवर्क का गठन जलालुद्दीन हक्कानी ने किया था जिसने अफगानिस्तान में 1980 के दशक में सोवियत फौजों से जंग लड़ी थी। उस समय मुजाहिदीन को अमेरिका का समर्थन हासिल था। 1995 में हक्कानी नेटवर्क तालिबान के साथ मिल गया और दोनों गुटों ने अफगान राजधानी काबुल पर 1996 में कब्जा कर लिया। 2012 में अमेरिका ने इस गुट को आतंकवादी संगठन घोषित किया। उस संघर्ष के दौरान और सोवियत वापसी के बाद, जलालुद्दीन हक्कानी ने ओसामा बिन लादेन सहित विदेशी जिहादियों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए। बाद में उसने तालिबान के साथ गठबंधन किया, जिसने 1996 में अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था, जब तक कि 2001 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं द्वारा इसे हटाया नहीं गया। ऐसा माना जाता है कि साल 2001 में हक्कानी नेटवर्क ने ही ओसामा बिन लादेन को भागने में सहायता की थी। हक्कानी ने इस्लामी शासन के मंत्री के रूप में सेवा की। 2018 में तालिबान द्वारा एक लंबी बीमारी के बाद जलालुद्दीन हक्कानी की मृत्यु की घोषणा की गई, और उनका बेटा सिराजुद्दीन औपचारिक रूप से नेटवर्क का प्रमुख बन गया।

क्यों दुर्दांत माना जाता है हक्कानी नेटवर्क

हक्कानी नेटवर्क को पिछले दो दशकों के दौरान अफगानिस्तान में हुए कुछ सबसे घातक और सबसे चौंकाने वाले हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। 2012 में अमेरिका ने इस गुट को आतंकवादी संगठन घोषित किया। हक्कानी नेटवर्क आत्मघाती हमलावरों का उपयोग करने के लिए जाना जाता है - जिसमें कारों और ट्रकों में भारी मात्रा में विस्फोटक शामिल हैं।

हक्कानी की पाकिस्तानी कुंडली

पूरा हक्कानी नेटवर्क इस वक्त अफगानिस्तान में नेटवर्क हो चुका है। पाकिस्तान के इशारे पर काम करने वाले हक्कानी नेटवर्क का फाउंडर जलालुद्दीन हक्कानी था। उसकी दो बीवीयां और नौ बेटे हैं। इनमें से सिराजुद्दीन इस वक्त हक्कानी

नेटवर्क का मुखिया है। आरिज हक्कानी और अरिज हक्कानी इस गैंग के एक्टिव मेंबर्स हैं। इनका एक रिश्तेदार याहया हक्कानी भी इस गैंग में है। जलालुद्दीन हक्कानी का भाई खलील हक्कानी भी इस गैंग का अहम मेंबर है और अपने भतीजे सिराजुद्दीन हक्कानी के इशारे पर काम करता है। हक्कानी नेटवर्क को पाकिस्तान से ही ऑपरेट किया जाता है और पूरा सहयोग भी मिलता है। वजीरिस्तान में इसके कैंप भी हैं। जहां इसके लड़ाकों को ट्रेनिंग दी जाती है। पाकिस्तान यही चाहता है कि हक्कानी नेटवर्क को तालिबान शासन में अहम स्थान मिले। इसके जरिए पाकिस्तान अफगानिस्तान में पूरा दखल चाहता है।

इजरायल ने पर्यावरण अपराधियों से लड़ने के लिए ड्रोन के इस्तेमाल का विस्तार किया

तेल अवीव (एजेंसी)।

इजरायल का पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय पर्यावरण अपराधियों के खिलाफ अधिक प्रभावी ढंग से लड़ने के प्रयास में ड्रोन के उपयोग का विस्तार कर रहा है। समाचार एजेंसी की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार, ड्रोन पर लगे कैमरे वास्तविक समय में पर्यावरणीय अपराधों को कैप्चर करना बहुत आसान बनाते हैं क्योंकि गलत कामों के उच्च रिजॉल्यूशन में वीडियो फुटेज अदालत में पर्याप्त सबूत के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, मंत्रालय की ग्रीन पुलिस के पास विशेष कैमरों वाले ड्रोन भी हैं जो रात में इन्फ्रारेड या थर्मल विजन का उपयोग करके वीडियो रिकॉर्ड करने में सक्षम हैं। सभी ऑपरेशन के लिए, ग्रीन पुलिस ड्रोन ऑपरेटर विशिष्ट परिस्थितियों के लिए मशीनों को समायोजित करते हैं। उदाहरण के लिए, समुद्री मिशनों को ऐसे ड्रोन की आवश्यकता होती है जो तेज हवाओं में उड़ सकें, जबकि खुले मैदानों में लंबी दूरी के लेंस वाले शांत ड्रोन बेहतर काम कर सकते हैं। मंत्रालय की मुख्य प्रवर्तन और निरोध शाखा के रूप में, ग्रीन पुलिस के पास जांच करने, जुर्माना और प्रतिबंध लगाने और वाहनों जैसे प्रदूषकों की निगरानी करने की शक्ति है। ग्रीन पुलिस में मानव रहित हवाई वाहन विभाग के प्रमुख इयाल याफ ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश ग्रीन पुलिस मामलों में ड्रोन फुटेज हैं जो मामलों को स्पष्ट करके अदालत में बहुत मददगार हैं। ग्रीन पुलिस निरीक्षक अवैध डंपिंग, सीवेज, वायु गुणवत्ता, खतरनाक सामग्री और निर्माण कचरे पर ध्यान देने के साथ पर्यावरण कानूनों, विनियमों और फरमानों की निगरानी और उन्हें

अगर आवश्यकता हुई तो तालिबान के साथ काम करने का रास्ता खुला है : बोरिस जॉनसन

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि अफगानिस्तान में समाधान तलाशने के लिए ब्रिटेन के कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, जिसमें यदि आवश्यक हुई तो तालिबान के साथ काम करने का रास्ता भी खुला है। क्षेत्र में जारी संकट पर चर्चा के लिए शुक्रवार को एक आपातकालीन कैबिनेट ऑफिस ब्रीफिंग रूम (कोबरा) की बैठक के बाद जॉनसन ने मीडिया से कहा कि काबुल हवाई अड्डे से ब्रिटिश नागरिकों और समर्थकों को निकालने के लिए कठिन चुनौतियां बनी हुई हैं, हालांकि स्थिति अब कुछ बेहतर हो रही है।

जॉनसन ने कहा, मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि अफगानिस्तान के लिए समाधान तलाशने के हमारे राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयास जारी रहेंगे, ऐसे में

निश्चित रूप से, अगर जरूरी हुआ तो तालिबान के साथ काम करना शामिल है। अफगानिस्तान के लिए हमारी प्रतिबद्धता स्थायी है। उन्होंने कहा, स्थिति थोड़ी बेहतर हो रही है और हम हवाई अड्डे परस्थिरीकरण देख रहे हैं। कल (बृहस्पतिवार) हम लगभग 1,000 लोगों को और आज (शुक्रवार) को 1,000 और लोगों को बाहर निकालने में सक्षम रहे। ब्रिटेन आने के पात्र लोग इस देश में वापस आ रहे हैं और इनमें से बहुत से लोग अफगानिस्तान पुनर्वास और सहायता कार्यक्रम (एआरएपी) के तहत वापस आ रहे हैं जिनमें दुभाषिए और अन्य ऐसे हैं जिनके लिए हम कृतज्ञ हैं। यह अभियान तेज गति के साथ जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, अभियान लगातार तेज हो रहा है, लेकिन मैं यह दिखावा नहीं करना सकता कि यह आसान है। आवागमन संबंधी कठिन चुनौतियां हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वे तालिबान की नई सत्ता द्वारा उदारता संबंधी शासन के वादे पर भरोसा करते हैं तो जॉनसन ने कहा, हम आशा करते हैं कि जैसा वह कह रहे हैं, उसका वही मतलब है। हालांकि, एक बार फिर मैं वहीं कहना चाहूंगा जो मैंने सदन में कहा था और मैं समझता हूं कि अमेरिका के राष्ट्रपति, फ्रांस के राष्ट्रपति, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल, जिन सभी से मैंने बात की, हर कोई इस बात से सहमत है कि हम उनके कार्यों के अनुसार उन्हें परखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में लॉकडाउन के खिलाफ प्रदर्शन, सैकड़ों लोगों को किया गया गिरफ्तार

सिडनी। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन का विरोध कर रहे 250 से अधिक लोगों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उनमें से कई पर स्वास्थ्य आदेशों का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया। प्राधिकारियों ने बताया कि कुछ प्रदर्शनों में झड़प होने से कम से कम सात पुलिस अधिकारियों का चोटें आयी। ये प्रदर्शन देशभर के कई शहरों में हुए। सबसे बड़ा और हिंसक प्रदर्शन मेलबर्न में हुआ। सिडनी में दो महीने से लॉकडाउन लगा हुआ है जबकि मेलबर्न और राजधानी कैनबरा में इस महीने की शुरुआत में लॉकडाउन लगाया गया। लॉकडाउन के नियमों के तहत लोग अपने घरों में कैद हैं और उनकी गतिविधियों में कई तरह की पाबंदियां लगायी गयी हैं।

इन पाबंदियों के बावजूद सिडनी के न्यू साउथ वेल्स राज्य में शनिवार को एक दिन

में संक्रमण के सबसे अधिक 825 नए मामले आए। कई शहरों में अत्यधिक संक्रामक डेल्टा स्वरूप के मामले आ रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लॉकडाउन खत्म होना चाहिए लेकिन प्राधिकारियों का कहना है कि वायरस को फैलने से रोकने और लोगों की जान बचाने के लिए यह आवश्यक है। मेलबर्न में करीब 4,000 लोगों ने प्रदर्शन किया। विक्टोरिया राज्य पुलिस ने 218 लोगों को गिरफ्तार किया और 200 से अधिक जुर्माना जारी किए।

विक्टोरिया के छह पुलिस अधिकारी अस्पताल में भर्ती है और पुलिस पर कथित तौर पर हमला करने के लिए तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने कई लोगों पर मिर्च का छिड़काव किया। न्यू साउथ वेल्स राज्य में पुलिस ने बताया कि उन्होंने राज्य भर में प्रदर्शन के संबंध में 47 लोगों को गिरफ्तार किया और 260 से अधिक पर जुर्माना लगाया। ब्रिसबेन शहर में लॉकडाउन के खिलाफ 2,000 से अधिक लोग एकत्रित हुए। हालांकि क्वींसलैंड राज्य पुलिस ने बताया कि उन्होंने किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया है।

मेक्सिको के खाड़ी तट से तीसरी श्रेणी में तब्दील होकर गुजरा उष्णकटिबंधीय तूफान 'ग्रेस'

वेराक्रूज (मेक्सिको)। (एजेंसी)।

उष्कटिबंधीय चक्रवाती तूफान (हरिकेन) 'ग्रेस' शनिवार तड़के श्रेणी तीन के एक प्रमुख तूफान के रूप में मेक्सिको के खाड़ी तट से गुजरा जिससे मछली पकड़ने के उद्योग से जुड़े छोटे शहरों और समुद्र तट पर स्थित रिसॉर्ट में बारिश हुई। दो दिनों के भीतर तूफान ने देश में दूसरी बार दस्तक दी है। बृहस्पतिवार को मेक्सिको के मुख्य पर्यटक क्षेत्र के माध्यम से गुजरते हुअ युकाटन प्रायद्वीप को पार करते वक्त तूफान कमजोर पड़ गया था, लेकिन देश के मुख्य भूभाग की तरफ बढ़ते हुए इसने मेक्सिको की अपेक्षाकृत गर्म खाड़ी से फिर से प्रचंड तूफान का रूप ले लिया।

अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने कहा कि दक्षिण-पूर्व टक्सपेन से करीब 55 किलोमीटर दूर शनिवार सुबह दस्तक देते वक्त ग्रेस से 205 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थी। यह 17 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। पूर्वानुमान कर्ताओं ने कहा कि ग्रेस जल्दी से कमजोर पड़ जाएगा क्योंकि यह एक पर्वत श्रृंखला के ऊपर भीतर की तरफ घुम जाएगा और मेक्सिको सिटी क्षेत्र सहित देश के मध्य में भारी बारिश करेगा। पूर्वानुमानकर्ताओं ने कहा कि इसके असर से 6 से 12 इंच (15 से 30 सेंटीमीटर) तक बारिश हो सकती है जबकि कुछ-कुछ क्षेत्रों में - अचानक बाढ़, भूस्खलन और शहरी बाढ़ का खतरा भी पैदा कर सकता है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कोविड-19 लॉकडाउन जारी रखने के कुप्रभावों पर चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर देश में 10 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की और चेताया कि अगर बंदी लंबे समय तक चली तो जनता को इसका गंभीर कुप्रभाव झेलना पड़ेगा। राजपक्षे ने शुक्रवार को टीवी पर प्रसारित राष्ट्र के नाम संदेश में 21 अगस्त रात 10 बजे से 30 अगस्त सुबह चार बजे तक संक्षिप्त लॉकडाउन लगाने की घोषणा की और कहा कि अगर भविष्य में लंबे समय के लिए लॉकडाउन लगाया जाता है तो जनता को तकलीफें सहने के लिए तैयार रहना होगा।

उन्होंने कहा, ''इन मुश्किल हालात में, सभी को परिस्थिति की गंभीरता को समझते हुए रणनीतिक तरीके से देश को आगे ले जाना चाहिए।'' राजपक्षे ने रेखांकित किया कि लॉकडाउन से देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, खास तौर से पुराने झटके

से उबरने की कोशिश कर रहे पर्यटन के क्षेत्र को बहुत दिक्कत होगी। गौरतलब है कि इससे पहले राष्ट्रपति कोविड लॉकडाउन लगाने के स्वास्थ्यकर्मियों के अनुरोध पर कुछ खास ध्यान नहीं दे रहे थे। फिलहाल देश में संक्रमित लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है, अस्पतालों, मुर्दाघरों, शमशान हर जगह अफरा-तफरी का माहौल है। अंततः, देश में लगातार खराब हो रही स्थिति को लेकर बौद्ध भिक्षुओं और उनके अपने राजनीतिक गठबंधन के सदस्यों द्वारा दबाव बनाए जाने पर राष्ट्रपति को झुकना पड़ा और उन्होंने 10 दिनों के संक्षिप्त लॉकडाउन की घोषणा की है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी है।

मुर्दाघरों में शवों का ढेर लगा है, वे अंतिम संस्कार के लिए ले जाये जाने का इंतजार कर रहे हैं। शुक्रवार को देश में संक्रमण से 195 लोगों के मरने और संक्रमण के 3,839 नये मामले आने की पुष्टि हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, शनिवार तक देश में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 6,985 हो गयी है वही, अभी तक कुल 3,81,812 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। राजपक्षे ने माना कि कोविड-19 से मरने वालों में ज्यादातर लोग ऐसे हैं जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा है, उनका टीकाकरण नहीं हुआ है और उन्हें अन्य बीमारियां भी हैं।

कैलिफोर्निया में लगी आग ने लिया भयावह रूप, आने वालों दिनों में और विकराल होने की आशंका

लॉस एंजिलिस। (एजेंसी)।

अमेरिका के पश्चिम तट पर मौजूद कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग ने भयानक रूप ले लिया है और लोग धुएं से परेशान है। पहले ही आग से उड़ रहे धुएं ने रोड आईलैंड के आकार से बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। हालांकि, दमकल कर्मियों का आशंका है कि आने वाले दिनों में यह और भयावह रूप ले सकता है। कैलिफोर्निया में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले इस साल जंगल का बड़ा हिस्सा आग के कारण नष्ट हो चुका है और अब इलाके में चल रही तेज हवाओं और खुश्की से इसके और विकराल होने की आशंका है।

साउथ कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में इतिहास के प्रोफेसर बिल डेवेरेल जो पश्चिम में आग के बारे में पढ़ाते हैं ने कहा, ''अगस्त में हम समापन (आग बुझने) की ओर नहीं जा रहे हैं, वर्ष 2021 की गर्मियों में शुरू हुई विनाश की विकरालता और दायरा आने वाले दिनों में और बढ़ेगा। पिछले दो दशक की परिपाटी-गर्मी, बड़ी आग की घटनाएं- चिंतित करने वाली है।'' उन्होंने ऐसी घटनाओं के बढ़ने के लिए जलवायु परिवर्तन को कारण बताया। गौरतलब है कि कैलिफोर्निया के उत्तरी क्षेत्र में 15 लाख एकड़ (करीब 6000 वर्ग किलोमीटर) के जंगल आग की भेंट चढ़ चुके हैं।

संपादकीय

गैर-जरूरी गिरफ्तारी

देश की सर्वोच्च अदालत ने एक और प्रशंसनीय व्यवस्था देते हुए पुलिस को कहा है कि लोगों को सिर्फ इसलिए गिरफ्तार न करें, क्योंकि आप कर सकते हैं, या सिर्फ इसलिए गिरफ्तार न करें, क्योंकि आपको आरोप पत्र दाखिल करना है। यह स्वाभाविक बात है कि गिरफ्तारी से किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है। पुलिस के पास गिरफ्तारी का अधिकार है,पर जरूरी नहीं कि हर बार गिरफ्तारी अनिवार्य हो। यह छिपी हुई बात नहीं है कि पुलिस द्वारा की गई बहुत सारी गिरफ्तारियां गैर-जरूरी होती हैं, लेकिन किसी आम सभ्य आदमी के लिए गिरफ्तारी जीवन भर का सदमा होती है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल व हृषिकेश रॉय की खंडपीठ ने आपराधिक मामलों में लोगों को गिरफ्तार करने की प्रथा को खारिज करते हुए जोर दिया है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता हमारे सांविधानिक जनादेश का एक महत्वपूर्ण पहलू है। वाकई, पुलिस को केवल उन्हीं मामलों में गिरफ्तारी करनी चाहिए, जो जघन्य अपराध से जुड़े हों, जिनमें आरोपी के फरार होने, साक्ष्य नष्ट किए जाने या गवाहों को प्रभावित करने की आशंका हो। अदालत ने यथोचित कहा है कि गिरफ्तारी की शक्ति के अस्तित्व और इस शक्ति के इस्तेमाल के औचित्य के बीच अंतर किया जाना चाहिए। प्रस्तुत मामला एक आरोपी द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने से जुड़ा है। 2014 में उत्तर प्रदेश में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले में 83 अन्य लोगों के साथ यह आरोपी भी नामजद है। पुलिस ने उसे सात वर्ष तक गिरफ्तार नहीं किया, पर जब आरोप पत्र दाखिल करने की बारी आई, तो पुलिस गिरफ्तार करने चल पड़ी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस आरोपी को गिरफ्तारी से राहत देने से इनकार कर दिया, तब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। अब सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि महज आरोपपत्र दाखिल होने के लिए आरोपी को गिरफ्तार करने की जरूरत नहीं है। अब न केवल आरोपी बेवजह गिरफ्तारी से बच सकेंगे, बल्कि पुलिस और जेलों का बोझ भी घटेगा। गिरफ्तारी बहुत गंभीर मामला है। इसी साल मार्च में एक अन्य मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि एफआईआर दर्ज होते ही मनमानी गिरफ्तारी व्यक्ति के मानवाधिकार का उल्लंघन है। ऐसी गिरफ्तारी भ्रष्टाचार का भी स्रोत होती है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूल अधिकार में कटौती की मनमानी छूट नहीं दी जा सकती। जहां अपराधी को पूछताछ के लिए अभिरक्षा में लेना जरूरी हो, गिरफ्तारी उसी में होनी चाहिए। मतलब गिरफ्तारी अंतिम विकल्प है। पर हमारी पुलिस को ज्यादातर इस अंतिम विकल्प को पहला विकल्प मानते देखा जाता है। पुलिस और गिरफ्तारी का आतंक ऐसा है कि लोग गिरफ्तारी से बचने के लिए न जाने कैसे-कैसे अपराध को अंजाम देते हैं। अदालतों ने यह भी देखा है कि दहेज उत्पीड़न के 60 फीसदी मामले अनावश्यक व अनुचित होते हैं। अनावश्यक गिरफ्तारी के कारण जेल की 43.2 फीसदी सुविधाएं बेकार चली जाती हैं। अत- पुलिस को विशेष स्थिति में जरूरी होने पर ही गिरफ्तारी करनी चाहिए। आज के समय में पुलिस के अधिकारों को स्पष्ट करना भी बहुत जरूरी है। निचली अदालतों को इस मामले में ज्यादा संवेदनशील होना चाहिए, पर उससे भी ज्यादा जरूरी है कि गैर-जरूरी गिरफ्तारी की गुंजाइश को कानूनी रूप से खत्म किया जाए।

रिश्तों के मीठे बंधनों और प्यार के धागों का पर्व

- ललित गर्ग

रक्षाबंधन एक खूबसूरत त्यौहार है जो प्यार, विश्वास, अपनापन एवं सुरक्षा का प्रतीक है यानी प्यार के धागों एवं मानवीय संवेदनाओं का पर्व। एक ऐसा पर्व जो घर-घर मानवीय रिश्तों में नवीन ऊर्जा का संचार करता है। बहनों में उमंग और उत्साह को संचरित करता है, वे अपने प्यारे भाइयों के हाथ में राखी बांधने को आतुर होती हैं। बेहद शालीन और सात्विक यह पर्व सदियों पुराना है। राखी के दो धागों से भाई-बहन ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवीय संवेदनाओं का गहरा नाता रहा है। रक्षाबंधन का गौरव अंतहीन पवित्र प्रेम की कहानी से जुड़ा है। भाई और बहन के रिश्ते को यह फौलाद-सी मजबूती देने वाला है। आदर्शों की ऊंची मीनार है। सांस्कृतिक परंपराओं की अद्वितीय कड़ी है। रीति-रिवाजों का अति सम्मान है। इस दिन बहन भाई को तिलक लगाती है और उसके दाहिने हाथ में राखी बांधती है। मिठाई से उसका मुंह मीठा करती है। भाई अपनी बहन की रक्षा की कसम लेता है। उसे यकीन दिलाता है कि उसके सुख-दुख में वह उसके साथ है। इस तरह दोनों के प्यार और भावनाओं का आदान-प्रदान होता है। राखी के त्योहार का ज्यादा महत्व पहले उत्तर भारत में था। आज यह पूरे भारत में बड़े उत्साह से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में इसे नारली पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। लोग समुद्र में वरुण राजा को नारियल दान करते हैं। नारियल के तीन आंखों को भगवान शिव की तीन आंखें मानते हैं। दक्षिण भारत में इसे अवनी अविट्टम के नाम से जाना जाता है। पुराने जमाने में रक्षाबंधन का अलग महत्व था। आवागमन के साधन और सुविधाएं नहीं थीं। इसलिए ससुराल गयी बेटी के लिए यह सावन के महीने का विशेष पर्व था। राखी के बहाने स्वजनों और भाइयों से भेंट की भावना छिपी होती थी। सभी शादीशुदा लड़कियां मायके आती थीं। सखी-सहेलियां आपस में मिलती थीं, नाचती-गाती थी और अपने लगे हाथ सुख-दुख भी मिल-बांट लेती थीं। राखी का त्योहार कब शुरू हुआ, इसे ठीक से कोई नहीं जानता। कहते हैं देव और दानवों में जब युद्ध शुरू हुआ तो दानव हावी होते नजर आने लगे। इससे इन्द्र बड़े परेशान हो गये। वे घबराकर वृहस्पति के पास गये। इन्द्र की व्यथा उनकी पत्नी इंद्राणी ने समझ ली थी। उसने रेशम का एक धागा मंत्रों की शक्ति से पवित्र कर इन्द्र के हाथ में बांध दिया। वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इस युद्ध में इसी धागे की मंत्रशक्ति से इन्द्र की विजय हुई थी। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन रेशमी धागा बांधने की प्रथा चली आ रही है। शायद इसी प्रथा के चलते पुराने जमाने में राजपूत जब युद्ध के लिए जाते थे तो महिलाएं उनके माथे पर तिलक लगाकर हाथ में रेशमी धागा बांधती थीं। इस विश्वास के साथ कि धागा उन्हें विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा। महाभारत में भी इस बात का उल्लेख मिलता है। युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को पार कैसे कर सकता हूं। तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। श्रीकृष्ण ने कहा था कि राखी के रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर विपत्ति से बाहर आ सकते हैं। एक अन्य कथा के अनुसार सिकंदर जब विश्वविजय के लिए निकला तो उसकी पत्नी ने अपने पति के हिंदू शत्रु महाराज पुरु को राखी बांधकर मुंहबोला भाई बना लिया था और उससे सिकंदर को न मारने का वचन ले लिया था। पुरु ने युद्ध के दौरान हाथ में बंधी राखी का मान रखा और सिकंदर को जीवनदान दे दिया। राखी की सबसे प्रचलित और प्रसिद्ध कथा के अनुसार मेवाड़ की विधवा महारानी कर्मावती को जब बहादुरशाह द्वारा मेवाड़ पर हमला करने की पूर्वसूचना मिली तो वह घबरा गयी। रानी कर्मावती बहादुरशाह से युद्ध कर पाने में असमर्थ थी। तब उसने मुगल शासक हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने राखी की लाज रखी और मेवाड़ पहुंचकर बहादुरशाह के विरुद्ध मेवाड़ की ओर से लड़ते हुए कर्मावती और उसके राज्य की रक्षा की। राखी के बारे में प्रचलित ये कथाएं सोचने पर विवश कर देती हैं कि कितने महान उसूलों और मानवीय संवेदनाओं वाले थे वे लोग, जिनकी देखादेखी एक संपूर्ण परंपरा ने जन्म ले लिया और आज तक बदस्तूर जारी है। आज परंपरा भले ही चली आ रही है लेकिन उसमें भावना और प्यार की वह गहराई नहीं दिखायी देती। अब उसमें प्रदर्शन का घुन लग गया है। पर्व को सादगी से मनाने की बजाय बहनें अपनी सज-धज की चिंता और भाई से राखी के बहाने कुछ मिलने के लालच में ज्यादा लगी रहती हैं। भाई भी उसकी रक्षा और संकट हरने की प्रतिज्ञा लेने की बजाय जेब हल्की कर इतिश्री समझ लेता है। अब राखी में भाई-बहन के प्यार का वह ज्वार नहीं दिखायी देता जो शायद कभी रहा होगा। इसलिए आज बहुत जरूरत है दायित्वों से बंधी राखी का सम्मान करने की। क्योंकि राखी का रिश्ता महज कच्चे धागों की परंपरा नहीं है। लेन-देन की परंपरा में प्यार का कोई मूल्य भी नहीं है। बल्कि जहां लेन-देन की परंपरा होती है वहां प्यार तो टिक ही नहीं सकता। ये कथाएं बताती हैं कि पहले खतरों के बीच फंसी बहन का साया जब भी भाई को पुकारता था, तो दुनिया की हर ताकत से लड़कर भी भाई उसे सुरक्षा देने दौड़ पड़ता था और उसकी राखी का मान रखता था। आज भातृत्व की सीमाओं को बहन फिर चुनौती दे रही है, क्योंकि उसके उम्र का हर पड़ाव असुरक्षित है। बौद्धिक प्रतिभा होते हुए भी उसे ऊंची शिक्षा से वंचित रखा जाता है, क्योंकि आखिर उसे घर ही तो संभालना है। नयी सभ्यता और नयी संस्कृति से अनजान रखा जाता है, ताकि वह भारतीय आदर्शों व सिद्धांतों से बगावत न कर बैठे। इन हालातों में उसकी योग्यता, अधिकार, चिंतन और जीवन का हर सपना कसमसाते रहते हैं। इससे भी बड़ी चिंता का विषय यह है कि आज तो कन्या भ्रूणहत्या का रास्ता खोलकर भविष्य में जैसे राखी बांधने की परंपरा का अंत करने की ही साजिश रची जा रही है। इसलिए राखी के इस परम पावन पर्व पर भाइयों को ईमानदारी से पुनः अपनी बहन ही नहीं बल्कि संपूर्ण नारी जगत की सुरक्षा और सम्मान करने की कसम लेने की अपेक्षा है। तभी राखी का यह पर्व सार्थक बन पड़ेगा और भाई-बहन का प्यार शाश्वत रह पायेगा।

आज के ट्वीट

रेप

अगर भारत से रेप खत्म करना है तो उससे पहले बॉलीवुड का बहिष्कार करो रेप खुद कम हो जाएंगे

-- कंगना रनौत

ज्ञान गंगा

साधना

जग्गी वासुदेव

आपकी भावनाएं कोई समस्या नहीं है, बिना भावनाओं के आप एक सूखी लकड़ी की तरह होंगे। ये भावनाएं ही हैं, जो आपके जीवन को मधुर और खूबसूरत बनाती हैं। ये भावनाएं ही हैं, जो आपके जीवन में प्रवाह लाती हैं। लेकिन यही भावनाएं तब एक समस्या बन जाती हैं, जब ये आपके नियंत्रण से बाहर जाकर पागलपन का रूप ले लेती हैं। अगर आप भावनाओं पर ध्यान देते हैं, उनके प्रति जागरूक होते हैं, तो आप जैसे-जैसे जागरूक होते जाएंगे, वैसे-वैसे आपके और इनके बीच दूरी बढ़ती जाएगी। देखिए, एक बार अगर दूरी आ गई तो आप बिना शरीर हुए, अपने शरीर का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप अपने विचार का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन आप विचार नहीं हैं, आप भावुक हो सकते हैं, लेकिन आप भावना नहीं हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि तब आप किस तरह की भावना पैदा करेंगे? सबसे मधुर भावनाएं। अगर आप सजगता से अपने विचारों का इस्तेमाल करें तो आप किस तरह के विचार पैदा करेंगे? आप ऐसे विचारों को पैदा करेंगे, जो आपके हित में हों या आपके खिलाफ हों? निश्चित रूप से अपने हित से जुड़े विचारों को पैदा करेंगे। 'अरे सुनने में तो यह बहुत अच्छा लगता है, लेकिन जागरूक हुआ कैसे जाए?' आप अपने विचारों को देखने की कोशिश कीजिए-एक विचार, दो विचार और फिर खत्म। ज्यादातर लोग दो विचारों से आगे ध्यान नहीं दे पाते। इसलिए साधना की जरूरत पड़ती है, क्योंकि बिना जरूरी ऊर्जा के, जागरूक होने की कोशिश करना बेहद कठिन है। अगर आप अपने भीतर पर्याप्त ऊर्जा पैदा कर लेते हैं, तो आप देखेंगे कि आपका शरीर यहां बैठा है, आपके विचार कहीं और होंगे, आप कहीं और होंगे, इस तरह से साधना अपना रास्ता खुद बना लेती है। अगर आपकी ऊर्जा, आपकी शारीरिक या मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया से अधिक प्रबल हो जाती है, विचार प्रक्रिया से अधिक तीव्र होती है या आपके भीतर उठ रही भावनाओं से ज्यादा प्रबल हो जाती है तो अचानक आप पाएंगे कि हर चीज यहां अलग-अलग है। अगर आपको यह पता चल जाए कि कौन सी चीज क्या है, तो आप उनको जैसे चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं। अब आप इनका कैसा इस्तेमाल करते हैं, इसके लिए बेशक आपको कौशल की जरूरत होती है।

तंक के सामने हक की आवाज उठाती अफगानिस्तान की आधी आबादी!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट)

विश्व में सबसे ताकतवर व हितरक्षक होने का दावा करने वाले अमेरिका ने जो व्यवहार अफगानिस्तान के साथ किया ,उससे दुनिया मे 'भरोसा' शब्द से विश्वास टूटा है।लेकिन अफगानिस्तान की बहादुर महिलाओं ने अपने अंदर के विश्वास व शक्ति को जिंदा रखते हुए आतंक के पर्याय के रूप में सामने खड़ी मौत को देखकर भी प्रतिवाद का जो साहस की वह काबिले तारीफ़ है।अफगानिस्तान में जहां एक तरफ तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद भय का वातावरण है। वहीं अफगानिस्तान की कुछ बहादुर महिलाओं ने गजब की हिम्मत दिखाई है।इन महिलाओ ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अपने हकों के लिए जोरदार प्रदर्शन किया और तालिबान को खुली चुनौती देने का साहस दिखाया। वह भी तब जब उनका राष्ट्रपति देश का बेशकीमती खज़ाना लेकर देश छोड़कर भाग गया। जिससे देश की जनता पलभर भर में असहाय हो गई और देश को तालिबानियो ने अपने कब्जे में लेकर ओरतो,मर्दो और बच्चों पर जुल्म ढहाने शुरु कर दिए। ये बहादुर महिलाएं काबुल के वजीर अकबर खान इलाके में अपने हक की आवाज उठा रही है। प्रदर्शनकारी महिलाओं की मांग है कि अफगानिस्तान से जुड़े अहम मसलों पर महिलाओं की राय भी ली जाए और उन्हें चैन से जीने का अधिकार मिले। तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद से यह भय सभी को सता रहा है कि सत्ता पर काबिज तालिबान आतंकी संगठन महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार करेगा? हालांकि तालिबान की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया गया है कि वह महिलाओं को शरिया कानून के तहत हक देगा। जिसमें महिलाओं को कुछ जगहों पर काम करने की आजादी की भी शामिल होगी।लेकिन तालिबान पर यकीन करना खुद को धोखा देने जैसा है। इसीलिए लिए अपनी जान हथेली पर रखकर अफगान की महिलाएं संघर्ष कर रही है। काबुल में महिलाओं द्वारा प्रदर्शन के दौरान प्लेकार्ड दिखाते हुए मांग की गई कि अफगान की राजनीति, शासन और अर्थव्यवस्था से जुड़े फैसलों में महिलाओं को भी अपनी हिस्सेदारी चाहिए। आंदोलकारी महिलाओं ने मांग की है कि तालिबान सरकार उनको भूल ना जाए और उनपर ज्यादती न करें। अफगान में महिलाओं के साथ-साथ कुछ युवाओं ने भी प्रदर्शन किया ।उनका यह प्रदर्शन कुनार प्रांत में हुआ । जिसमें मांग की गई कि तालिबान अफगान सरकार के झंडे को फहराने दे। यानि अफगान सरकार का झंडा हटाया न जाए, या फिर दोनों अफगान सरकार व तालिबान को मिलाकर कोई नया झंडा बनाया जाए। अफगान की राजधानी काबुल में 15-16 अगस्त के मुकाबले अब कुछ हालात सुधरे हैं। ऐसा दर्शाया जा रहा है। तालिबान के लोग हथियारों के साथ कम नज़र आ रहे है और वे मस्ती करते नज़र आ रहे है। अब अफगानिस्तान में दुकानें भी खुल गई हैं और सड़कों पर लोग घूमते-फिरते दिखाई पड़ रहे हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी धीरे-धीरे सामान्य होने की तरफ बढ़ रहा है। तालिबान ने पड़ोसी देशों के साथ सामान्य रिश्ता बनाये रखने की बात कही है और वायदा किया है कि अफगानिस्तानी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा। भारत इन बातों पर फिलहाल भरोसा नहीं कर रहा है,क्योंकि तालिबान भरोसे लायक नही है। भारत की रणनीति तालिबान के रवैये पर निर्भर करेगी और आगे के हालात की हर दृष्टिकोण से समीक्षा के बाद ही अफगानिस्तान के साथ संबंधों को लेकर फैसला होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में भी यही विमर्श हुआ। जिसमें अफगानिस्तान के ताजा हालात की समीक्षा की गई है। माना जा रहा है कि तालिबान के सत्ता में आने के बाद देश की पश्चिमी सीमा को लेकर उत्पन्न चुनौतियों की भी भारत ने समीक्षा की है। अफगानिस्तान में महिलाओं को सन 1960 के दशक से ही आजादी मिलनी शुरू हो गई थी। वहां की तत्कालीन सरकार ने महिलाओं के लिए समान अधिकार कायम किए थे।कुछ महिलाएं तो न सिर्फ विदेशी कपड़े तक पहन सकती थीं बल्कि कुछ को तो अकेले ट्रैवल करने, यूनिवर्सिटी जाने और यहां तक कि घर से बाहर जाकर काम करने का भी अधिकार मिला हुआ था। हालांकि सभी जगहों पर महिलाओं को आजादी मिली हो, ऐसा नहीं है।ये आजादी सिर्फ शहरी और एलीट व लास की महिलाओं के पास थी। गांवों में हालात अलग थे।गांवों में रहने वाली जनता उस समय भी पिछडे ख यालों वाली थी।1960 के दशक में एक बहुत बड़ी अफगान आबादी गांवों में ही रहती थी। सरकार की तरफ से चलाए गए सुधार कार्यक्रमों के बावजूद परिवारों में पर्दा प्रथा की परंपरा जारी रही। इसकी कारण महिलाओं के पुरुषों से संपर्क सीमित हो गए थे। गांवों में रहने वाली महिलाओं को सार्वजनिक तौर पर बुर्का पहनना पड़ता है। लेकिन काबुल जैसे शहरों में महिलाओं को आजादी मिली हुई थी।सन 1960 में तत्कालीन अफगान सरकार ने एक नया संविधान बनाया और इसमें महिलाओं के अधिकार सुरक्षित किए।सन1970 में देश में कुछ पश्चिमी मान्यताओं को जगह मिलनी शुरू हुई । सन1979 में जब सोवियत संघ ने अफगान सरकार को गिराया तो वहां से महिलाओं की स्थिति बिगड़नी शुरू हो गई। सन1996 में तालिबान ने पहली बार देश पर शासन किया था। तालिबान ने देश में सख्त शरिया लॉ लागू कर दिया था।सन 2001 में जब अमेरिकी फौजें अफगानिस्तान में दाखिल हुईं तो एक बार फिर महिला अधिकारो में बदलाव देखने को मिला। सन 2017 तक अफगान संसद में 28 प्रतिशत महिलाएं थीं और 40 प्रतिशत लड़कियां स्कूल जा रही थीं। लेकिन अब तालिबान के पुनः काबिज होने से महिलाओं के अधिकारो पर कैंची चल सकती है। जिसे बचाने के लिए अफगान महिलाएं सड़को पर प्रदर्शन कर अपना हक मांग रही है। जिसका समर्थन पूरी दुनियां को करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है रक्षा बंधन

रक्षाबंधन हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है जो श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। यह भाई-बहन को स्नेह की डोर से बांधने वाला त्योहार है। यह त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है...

रक्षाबंधन का अर्थ है रक्षाबंधन, अर्थात किसी को अपनी रक्षा के लिए बांध लेना। इसीलिए राखी बांधते समय बहन कहती है 'भैया! मैं तुम्हारी शरण में हूं, मेरी सब प्रकार से रक्षा करना।' आज के दिन बहन अपने भाई के हाथ में राखी बांधती है और उन्हें मिठाई खिलाती है। फलस्वरूप भाई भी अपनी बहन को रुपए या उपहार आदि देते हैं। रक्षाबंधन स्नेह का वह अमूल्य बंधन है जिसका बदला धन तो क्या, सर्वस्व देकर भी नहीं चुकाया जा सकता।

रक्षासूत्र

भारतीय परंपरा में विश्वास का बंधन ही मूल है और रक्षाबंधन इसी विश्वास का बंधन है। यह पर्व मात्र रक्षासूत्र के रूप में राखी बांधकर रक्षा का वचन ही नहीं देता, वरन् प्रेम, समर्पण, निष्ठा व संकल्प के जरिए हृदयों को बांधने का भी वचन देता है। पहले रक्षाबंधन बहन-भाई तक ही सीमित नहीं था, अपितु आपत्ति आने पर अपनी रक्षा के लिए अथवा किसी की आयु और आरोग्य की वृद्धि के लिए किसी को भी रक्षासूत्र (राखी) बांधा या भेजा जाता था। भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है कि 'मयि सर्वमिदं प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव' अर्थात 'सूत्र' अविच्छिन्नता का प्रतीक है क्योंकि सूत्र (धागा) बिखरे हुए मोतियों को अपने में पिरोकर एक माला के रूप में एकाकार बनाता है। माला के सूत्र की तरह रक्षासूत्र (राखी) भी लोगों को जोड़ता है। गीता में ही लिखा गया है कि जब संसार में नैतिक मूल्यों में कमी आने लगती है तब ज्योतिर्लिंगम भगवान शिव प्रजापति ब्रह्मा द्वारा धरती पर पवित्र धागे भेजते हैं, जिन्हें बहनें मंगलकामना करते हुए भाइयों को बांधती हैं और भगवान शिव उन्हें नकारात्मक विचारों से दूर रखते हुए दु:ख और पीड़ा से निजात दिलाते हैं।

शास्त्रों के अनुसार रक्षाबंधन

श्रावण की पूर्णिमा को अपरान्ह में एक कृत्य होता है, जिसे रक्षाबंधन कहते हैं। श्रावण की पूर्णिमा को सूर्योदय के पूर्व उठकर देवों, ब्राह्मणों एवं पितरों का तर्पण करने के उपरांत अक्षत, तिल, धागों से युक्त रक्षा बनाकर धारण करना चाहिए। राजा के लिए महल के एक वर्गाकार भूमि-स्थल पर जल-पात्र रखा जाना चाहिए, राजा को मंत्रियों के साथ आसन ग्रहण करना चाहिए, वेश्याओं से घिरे रहने पर गानों एवं आशीर्वचनों का तांता लगा रहना चाहिए, देवों, ब्राह्मणों एवं अस्त्र-वस्त्र का सम्मान किया जाना चाहिए, तत्पश्चात राजपुरोहित को चाहिए कि वह मंत्र के साथ 'रक्षा' बांधे और कहे, 'आपको वह रक्षा बांधता हूं जिससे दानवों के राजा बलि बांधे गए थे।' सभी लोगों को, यहां तक कि शूद्रों को भी, यथाशक्ति पुरोहितों को प्रसन्न करके रक्षा-बंधन बंधवाना चाहिए। जब ऐसा कर दिया जाता है तो व्यक्ति वर्ष भर प्रसन्नता के साथ रहता है।

पौराणिक कथा

भविष्य पुराण में एक कथा के अनुसार प्राचीन काल में एक बार बारह वर्षों तक देवासुर-संग्राम होता रहा, जिसमें देवताओं की हार हो रही थी। दु:खी और पराजित इंद्र, गुरु बृहस्पति के पास गए। वहां इंद्र पत्नी शचि भी थीं। इंद्र की व्यथा जानकर इंद्राणी ने कहा, 'कल ब्राह्मण शुक्ल पूर्णिमा है। मैं विधानपूर्वक रक्षासूत्र तैयार करूंगी। उसे आप स्वस्तिवाचनपूर्वक ब्राह्मणों से बंधवा लीजिएगा। आप अवश्य ही विजयी होंगे।' दूसरे दिन इंद्र ने इंद्राणी द्वारा बनाए रक्षाविधान का स्वस्तिवाचनपूर्वक बृहस्पति से रक्षाबंधन कराया, जिसके प्रभाव से इंद्र सहित देवताओं की विजय हुई। तभी से यह रक्षाबंधन पर्व ब्राह्मणों के माध्यम से मनाया जाने लगा। इस दिन बहनें भी भाइयों की कलाई में रक्षासूत्र बांधती हैं और उनके सुखद जीवन की कामना करती हैं।

रानी कर्णावती और हुमायूं की कथा

मध्यकालीन इतिहास में भी ऐसी ही एक घटना मिलती है। चित्तौड़ की हिंदू रानी कर्णावती ने दिल्ली के मुगल बादशाह हुमायूं को अपना भाई मानकर उसके पास राखी भेजी थी। हुमायूं ने उसकी राखी स्वीकार कर ली और उसके सम्मान की रक्षा के लिए गुजरात के बादशाह बहादुरशाह से युद्ध किया। महारानी कर्णावती की कथा इसके लिए अत्यंत प्रसिद्ध है, जिसने हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा के लिए आमंत्रित किया था। राखी के पवित्र बंधन ने दोनों को बहन-भाई के पवित्र रिश्ते में बांध दिया था। मर्मस्पर्शी कथानुसार, राजपूत राजकुमारी कर्णावती ने मुगल सम्राट हुमायूं गुजरात के सुल्तान द्वारा हो रहे आक्रमण से रक्षा के राखी भेजी थी। यद्यपि हुमायूं किसी अन्य कार्य में व्यस्त वह शीघ्र ही बहन की रक्षा के लिए चल पड़ा। परंतु जब पहुंचा तो उसे यह जानकर बहुत दु:ख हुआ कि राजकु के राज्य को हड़प लिया गया था तथा अपने सम्मान की हेतु रानी कर्णावती ने 'जौहर' कर लिया था।

महाभारत की कथा

इस त्योहार का इतिहास हिंदू पुराण कथाओं में मिलत महाभारत में कृष्ण ने शिशुपाल का वध अपने चक्र से कि था। शिशुपाल का सिर काटने के बाद जब चक्र वापस के पास आया तो उस समय कृष्ण की उंगली कट गई तो भगवान कृष्ण उंगली से रक्त बहने ल यह देखकर द्रौपदी ने अ साड़ी का किनारा फाड़ कृष्ण की उंगली में बांधा जिसको लेकर कृष्ण ने उसकी करने का वचन दिया था। इसी ऋण चुकाने के लिए दु:शासन द्वारा चीरहरण करते स कृष्ण ने द्रौपदी की लाज रखी। तब से 'रक्षाबंधन' का मनाने का चलन चला आ रहा है।

रक्षाबंधन शुभ मुहूर्त

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार रक्षा बंधन का त्योहार प्रति वर्ष श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस बार यह पर्व अंग्रेजी के कैलेंडर के अनुसार 22 अगस्त 2021 रविवार को रहेगा। आओ जानते हैं। शुभ मुहूर्त और संयोग के अलावा इस बार कब 'नहीं' बांधें राखी।

शुभ मुहूर्त

1. अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11:57:51 से दोपहर 12:49:52 तक।
2. अमृत काल - सुबह 09:34 से 11:07 तक।
3. ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04:33 से 05:21 तक।

शुभ संयोग

1. शोभन योग: प्रात: 06 बजकर 15 मिनट से प्रात: 10 बजकर 34 मिनट तक शोभन योग रहेगा। यह अच्छा योग है। इसमें सभी तरह के मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। शोभन योग काल- 21 अगस्त 12:54 शाम - 22 अगस्त 10:33 शाम
2. धनिष्ठा नक्षत्र : धनिष्ठा नक्षत्र शाम को करीब 07 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। धनिष्ठा का स्वामी ग्रह मंगल है। इस नक्षत्र के दौरान शुभ मुहूर्त में राखी बंधाई जा सकती है। धनिष्ठा काल- 21 अगस्त 08:21 शाम - 22 अगस्त 07:39 शाम तक।

इस समय न बांधें राखी

राहु काल: 17:16:31 से 18:54:05 तक
दुष्टमुहूर्त : 17:10:01 से 18:02:03 तक
भद्रा काल : भद्रा काल 23 अगस्त, 2021 सुबह 05:34 से 06:12 तक रहेगा।
राखी भद्राकाल और राहुकाल में नहीं बांधी जाती है क्योंकि इन काल में शुभ कार्य वर्जित माना जाता हैं।

रक्षाबंधन पर भा से पहले बां इन 5 देवताओ को राख

रक्षाबंधन पर भाई के अलावा भगवान, वाहन, पालतू पशु, द्वार आदि कई जगहों पर राखी को बांधा जाता है। इसके पीछे मान्यता यह है कि हमारी रक्षा के साथ ही सभी की रक्षा हो। आओ जानते हैं कि रक्षा बंधन पर खासतौर पर किन देवताओं को बांधी जाती है राखी।

गणपति - गणपति जी प्रथम पूज्य देवता हैं। किसी भी प्रकार का मांगलिक कार्य करने के पूर्व उन्हीं की पूजा करते हैं। इसीलिए सबसे पहले उन्हें ही राखी बांधी जाती है। गणपतिजी की बहनें अशोक सुंदरी, मनसा देवी और ज्योति हैं।

शिवजी - श्रावण माह शिवजी का माह है और इसी माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाते हैं। प्रचलित मान्यता अनुसार कहते हैं कि भगवान शिव की बहन असावरी देवी थीं।

हनुमानजी - हनुमानजी शिवजी के रुद्रावतार हैं। जब देव सो जाते हैं तो शिवजी भी कुछ समय बाद सो जाते हैं और वे रुद्रावतार रुप में सृष्टि का संचालन करते हैं। इसीलिए श्रावण माह में हनुमानजी की विशेष रूप से पूजा होती है। सभी संकटों से बचने के लिए हनुमानजी को राखी बांधते हैं।

कान्हाजी - शिशुपाल का वध करते वक्त श्रीकृष्ण के हाथ से खून बने लगा तो द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर उनके हाथ में बांध दिया था। इस कार्य के बदले में श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को संकट के समय उसक करने का वचन दिया था। ऐसा भी कहा जाता है कि युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संक कैसे पार कर सकता हूं, तब कृष्ण ने उनकी तथा सेना की रक्षा के लिए राखी का त्योहार मनाने की दी थी। श्रावण माह में श्रीकृष्ण की पूजा का भी महत्व है क्योंकि भादो में उनका जन्म हुआ था त माह पूर्व से ही ब्रजमंडल में उनके जन्मोत्सव व रहती हैं

नागदेव - मनसादेवी के भाई वासुकि सहित सभी ना नाग पंचमी के दिन पूजा होती हैं। रक्षा बंधन पर को भी राखी अर्पित करने की परंपरा है। नाग दे तरह के सर्प योग और भय से मुक्त करते हैं।

रक्षा बंधन के दिन सबसे पहले गणेशजी को राखी चाहिए। इसके बाद अन्य देवी-देवताओं, कुल देवत अपने इष्ट देव को भी राखी बांधनी चाहिए।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.10 अरब डॉलर घटकर 619.365 अरब डॉलर पर आया

मुंबई: देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 अगस्त, 2021 को समाप्त सप्ताह में 2.099 अरब डॉलर घटकर 619.365 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को अपने ताजा आंकड़ों में बताया कि इस गिरावट की वजह विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में आई गिरावट है। इससे पहले सप्ताहांत में विदेशी मुद्रा भंडार 88.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 621.464 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर को छू गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आने की वजह विदेशी मुद्रा संपत्तियों (एफसीए) का घटना था जो समग्र भंडार का प्रमुख घटक है। इस दौरान एफसीए 1.358 अरब डॉलर घटकर 576.374 अरब डॉलर रह गया। डॉलर के लिहाज से बतायी जाने वाली विदेशी मुद्रा संपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार 72 करोड़ डॉलर घटकर 36.336 अरब डॉलर रह गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास मौजूद विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 70 लाख डॉलर घटकर 1.544 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक ने बताया कि आलोच्य सप्ताह के दौरान आईएमएफ के पास मौजूद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.111 अरब डॉलर रह गया।

अडाणी विल्मर के 4,500 करोड़ रुपये के आईपीओ को अभी नहीं मिली सेबी की मंजूरी

नयी दिल्ली. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने खाद्य तेल कंपनी अडाणी विल्मर लि. (एडब्ल्यूएल) के 4,500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंजूरी को अभी 'स्थगन' में रखा है। हालांकि, नियामक ने इसकी वजह के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। कंपनी ने आईपीओ के जरिये धन जुटाने के लिए तीन अगस्त को सेबी के पास दस्तावेज जमा कराए थे। सेबी ने आईपीओ को मंजूरी नहीं देने की वजह का खुलासा नहीं किया है। सेबी की वेबसाइट पर 13 अगस्त को डाली गई सूचना के अनुसार, अडाणी विल्मर के आईपीओ पर 'निष्कर्ष' को अभी स्थगित रखा गया है। कोई भी सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए सेबी का 'निष्कर्ष' जरूरी होता है। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी विल्मर का आईपीओ के तहत 4,500 करोड़ रुपये या 60 करोड़ डॉलर के नए शेयर जारी करने का प्रस्ताव है। अडाणी विल्मर फॉर्च्यून ब्रांड नाम से खाद्य तेल बेचती है। यह खाद्य तेल बाजार की प्रमुख कंपनी है।

एप्पल स्मार्टफोन के साथ नए घरेलू उत्पादों को तेजी से विकसित कर रहा है : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। ऐप्पल संभावित आईफोन 13 लॉन्च से पहले खुदरा ग्राहकों के लिए तैयारी कर रहा है। जिसमें कई नए घरेलू उत्पादों और सेवाएं शामिल हैं। एप्पलइनसाईडर की रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोबलडाटा द्वारा किए गए एप्पल जॉब लिस्टिंग के विश्लेषण के अनुसार, कंपनी ने पिछले कुछ महीनों में अपने उत्पाद विकास और खुदरा संचालन को मजबूत करने के लिए हायरिंग में वृद्धि देखी गई है। एप्पल की जॉब पोस्टिंग में, कंपनी की वेबसाइट के माध्यम से पता चला हैं, जुलाई में साल-दर-साल 78 प्रतिशत बढ़ी है। जबकि टेक दिग्गज नियमित रूप से नए उत्पादों के विकास से जुड़ी भूमिकाओं के लिए विज्ञापन करते हैं, यह श्रेणी मार्च में 130 नौकरियों से बढ़कर जुलाई में 270 से अधिक नौकरियों तक पहुंच गई है। बात दें, प्रोडक्ट मैनेजर, होम सर्विसेज के लिए एक लिस्टिंग ऐप्पल टीवी, होमपॉड मिनी और होमकिट जैसे इन-द-होम उत्पादों पर काम करने का संकेत देती है। कंज्यूमर इंटेलिजेंस रिसर्च पार्टनर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल के होमपॉड और होमपॉड मिनी का समग्र स्मार्ट स्पीकर बाजार में सिर्फ एक हिस्सा है, जिसमें अमेजॅन की इको लाइन 69 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ है। एप्पल अपने हार्डवेयर के होम-सूट के लिए अगली जनरेशन के डिजाइन पर काम कर रहा है, जिसमें एक एकीकृत टच स्क्रीन के साथ होमपॉड और एक अंतर्निहित कैमरा और होमपॉड स्पीकर क्षमताओं के साथ एक एप्पल टीवी शामिल है।

एप्पल ने हटाने योग्य की के साथ कीबोर्ड का किया पेटेंट

सैन फ्रांसिस्को। यूएस पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालय में दायर एक नए पेटेंट से संकेत मिलता है कि एप्पल एक ऐसी रिमूवेबल की को बनाया है, जो भविष्य के मैकबुक के एक्सेसरीज का हिस्सा होगी। गजीमो चाइना के अनुसार, यह डिस्प्ले के तेज नेविगेशन के लिए एक सटीक माउस के रूप में काम कर सकता है। उपयुक्त रूप से परिनियोजन योग्य की माउस कहा जाता है, पेटेंट फाइलिंग में की कैसी दिखेगी, यो मैकबुक में इसका संभावित प्रदर्शन हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मैकबुक के सामन दिखने वाले कैंची सिस्टम कीबोर्ड को नए डिजाइन में बनाया जाएगा, लेकिन इसके अलावा, इसमें एक हटाने योग्य की भी है जो प्रत्यक्ष से छिपी हुई है। की में एंबेडेड एक स्थिति सेंसर होगा जिसे पीसी के लिए एक आरामदायक, पोर्टेबल और सटीक पॉइंटर इनपुट प्रदान करने के लिए एक पॉइंटिंग डिवाइस के रूप में उपयोग किया जा सकता है। यह नई तकनीक उपकरण ग्राफिक डिजाइन, कंप्यूटर की सहायता से डिजाइन और मॉडलिंग के साथ-साथ दस्तावेजों को संपादित करने जैसे सटीक कार्यों के लिए काम करेगा। पेटेंट रिपोर्ट के अनुसार, नई की बैटरी से चलने वाली होगी, यह कीबोर्ड के किनारे की ओर स्थित होगी।

एमएसएमई को जो स्थान दशकों तक नहीं मिला, वह हम दिला रहे: निर्मला सीतारमण

बिजनेस डेस्क:

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ यानी सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को दशकों तक जो स्थान नहीं मिला वह केंद्र की मौजूदा नरेंद्र मोदी सरकार ने दिलाया है। निर्मला ने यहां 'उभरते सितारे फंड' की शुरुआत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने एमएसएमई को वाजिब पहचान दी है। इस क्षेत्र को दशकों तक जो स्थान नहीं मिला वह अब उसे दिलाया जा रहा है और आगे भी इसे और बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों को देखें तो केंद्र सरकार ने काफी अलग चीजें की हैं। सरकार ने एमएसएमई की परिभाषा को बहुत लचीले तरीके से बदला है। हाल में संसद में एक विधेयक लाया गया है जिससे एमएसएमई क्षेत्र को सीधे तौर पर फायदा होगा। सीतारमण ने कहा कि सरकार ने पिछले दिनों एक अच्छा काम यह किया है कि अब एमएसएमई कारोबारियों को अपने खाते को जमा करने से पहले ऑडिट कराने की जरूरत नहीं होगी। सरकार को उन पर भरोसा है और वह अपने खाते को खुद दस्तखत कर प्रमाणित कर सकेंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री ने छोटे सितारे फंड का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी घोषणा वर्ष 2020 के बजट में हुई थी लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे लांच करने में देरी हुई। उभरते सितारे काफी हद तक पाश्चात्य सिद्धांतों पर आधारित है। खासकर उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के लिए यह वरदान साबित होगा जहां एमएसएमई इकाइयों की संख्या सबसे ज्यादा है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद उत्तर प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह से आग्रह किया कि प्रदेश के हर जिले में स्थापित एमएसएमई चेंबर के माध्यम से 'उभरते सितारे' के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें ताकि एक जिला एक उत्पाद योजना पर काम कर रहे एमएसएमई कारोबारियों को इसके फायदों की जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि सिडबी और एक्जिम बैंक को भी इसमें भाग लेना चाहिए। मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि सही मायने में उभरते सितारे, उभरते उत्तर प्रदेश के लिए बहुत लाभदायक बनने जा रहे हैं। पिछले साढ़े चार साल में उत्तर प्रदेश में 70 लाख नई एमएसएमई इकाइयों को स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान एमएसएमई इकाइयों को 2.5 लाख करोड़ रुपए का ऋण दिया गया है जिससे 2.6 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। हमने अनेक क्लस्टर बनाए हैं जिन्हें प्रौद्योगिकी से जोड़ा है।

कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए हैं।

यूएसएड और कोटक महिंद्रा महिला उद्यमियों और MSME को देंगे ऋण

नई दिल्ली:

अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) और अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त निगम (डीएफसी) ने भारत में महिलाओं तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) को ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कोटक महिंद्रा बैंक को पांच करोड़ डॉलर का लोन देने की घोषणा की है। कोटक महिंद्रा बैंक के समूह अध्यक्ष (वाणिज्यिक बैंकिंग) डी. कन्नन ने कहा कि बैंक देश में वित्तीय समावेशन तथा एमएसएमई और कमजोर सामाजिक-आर्थिक वर्ग की महिला उद्यमियों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कोरोना महामारी में ये दोनों वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं इसलिए यह ऋण सुविधा एमएसएमई और महिला उद्यमियों के कारोबार को न केवल गति देगा बल्कि वे रोजगार सृजन करने में भी सक्षम हो सकेंगे। यूएसएड के भारत मिशन की निदेशक वीणा रेड्डी ने कहा, ''यूएसएड लैंगिक समानता पर विश्वास करता है। महिला सशक्तिकरण न केवल विकास का हिस्सा है बल्कि विकास की बुनियाद है। कोरोना महामारी से भारतीय महिलाओं आर्थिक संकट का सामना कर रही हैं। इससे महिलाएं और उनका परिवार आजीविका के संकट का सामना कर रहा है। ऐसे समय में यूएसएड की पहल से महिला उद्यमियों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध होगा, जिससे उन्हें आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि कोटक महिंद्रा बैंक यूएसएड और डीएफसी से मिलने वाले पांच करोड़ डॉलर ऋण का 50 प्रतिशत महिला उद्यमी या महिलाओं द्वारा संचालित एमएसएमई को देगा। इस कार्यक्रम से 30 हजार महिलाओं और 7500 एमएसएमई को लाभ मिलने की उम्मीद है।

2021 में 17.3 करोड़ शिपमेंट तक पहुंचने की राह पर भारत का स्मार्टफोन बाजार

नई दिल्ली।

भारत का स्मार्टफोन बाजार साल 2021 में 14 फीसदी (वार्षिक आधार पर) वृद्धि के साथ 17.3 करोड़ यूनिट की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के लिए तैयार है। शुक्रवार को एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

काउंटरप्वाइंट रिसर्च के इंडिया हैंडसेट तिमाही आउटलुक के अनुसार, 2021 की दूसरी छमाही में 10 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन शिपमेंट (बिक्री) होगी और 5जी डिवाइस कुल बाजार का 19 प्रतिशत हिस्सा रहेंगे। शोध विश्लेषक अंकित मल्होत्रा ने कहा, बाजार पिछले पांच वर्षों में 2019 में 15.8 करोड़ यूनिट तक पहुंचने के लिए एक स्थिर विकास वक्र का अनुभव कर रहा है। कोविड-19 ने बाजार को 2020 में केवल 4 प्रतिशत की मामूली गिरावट का अनुभव करते हुए देखा, एक अधिक महत्वपूर्ण भूमिका में स्मार्टफोन के उभरने के साथ-साथ इसके लचीलेपन का भी प्रदर्शन देखा गया। बाजार को आगे बढ़ाने वाला सबसे बड़ा कारक सितंबर में रिलायंस जियो के कम लागत वाले एंड्रॉएड फोन जियोफोन नेक्स्ट का लॉन्च हो सकता है, जो फीचर फोन यूजर्स को स्मार्टफोन में स्थानांतरित करने में सक्षम होगा। देश में 32 करोड़ फीचर फोन यूजर्स का काफी स्थापित आधार है। मल्होत्रा ने आगे कहा, जियोफोन नेक्स्ट फोन की कीमत 75 डॉलर से कम होने की उम्मीद है, एक ऐसा मूल्य बिंदु, जिसने पिछले दो वर्षों में बड़ी गतिविधि नहीं देखी है। अगर यह उम्मीद के मुताबिक काम करता है, तो हम भारतीय बाजार को अति-विकास की अवधि में प्रवेश करते हुए देख सकते हैं। 2020 में बाजार में 5जी स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 3 फीसदी से भी कम थी। लेकिन 2021 में, 5जी डिवाइस का बाजार आठ गुना बढ़कर 3.2 करोड़ यूनिट तक पहुंच जाएगा और यह समग्र स्मार्टफोन बाजार का 19 प्रतिशत हिस्सा बन जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है, अगले पांच वर्षों के लिए भारत के लिए हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है, इसकी 1.39 अरब (और आगे बढ़ रही है) आबादी को ध्यान में रखते हुए, फीचर फोन से स्मार्टफोन में यूजर्स के अपग्रेड और भविष्य में नए उपयोग के मामलों के उदय को देखते हुए अगले कुछ वर्षों में बाजार 20 करोड़ का आंकड़ा पार करने के लिए तैयार है।

सोने की हॉलमार्किंग के खिलाफ ज्वैलर करेंगे हड़ताल

नई दिल्ली:

देश भर के आभूषण विक्रेता सोने के आभूषणों की अनिवार्य हॉलमार्किंग के 'मनमाने ढंग से कार्यान्वयन% के खिलाफ 23 अगस्त को सांकेतिक हड़ताल करेंगे। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। जीजेसी ने दावा किया कि हड़ताल को, देश के प्रत्येक हिस्से में स्थित रत्न एवं आभूषण उद्योग के 350 संघों और महासंघों द्वारा समर्थन दिया जाएगा। स्वर्ण आभूषणों की 16 जून से चरणबद्ध तरीके से हॉलमार्किंग करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने पहले चरण के कार्यान्वयन के लिए 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 256 जिलों की पहचान की है। सोने की हॉलमार्किंग, कीमती धातु की शुद्धता का प्रमाणीकरण होता है। यह अब तक स्वैच्छिक रूप से किया जाता था। जीजेसी के पूर्व अध्यक्ष अशोक मीनावाला ने एक बयान में कहा, ''एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल, एचयूआईडी (हॉलमार्क विशिष्ट पहचान संख्या) के मनमाने ढंग से कार्यान्वयन के खिलाफ हमारा शांतिपूर्ण विरोध है, जो कानून अव्यावहारिक और असंभव है। मीनावाला, सरकार द्वारा नियुक्त समितियों में ज्वैलर्स की प्रतिनिधि और दानाभाई ज्वैलर्स ग्रुप की निदेशक हैं। उन्होंने कहा कि जौहरी नए एचयूआईडी को स्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि इसका सोने की शुद्धता से कोई लेना-देना नहीं है। बीआईएस को लगता है कि नया एचयूआईडी सोने की शुद्धता में सुधार करेगा लेकिन ज्वैलर्स को लगता है कि यह सिर्फ एक ट्रैकिंग तंत्र है। जीजेसी के निदेशक दिनेश जैन ने एचयूआईडी प्रणाली को अत्यधिक समय खपाऊ बताते हुए कहा कि हॉलमार्किंग केंद्रों की मौजूदा गति और क्षमता लगभग दो लाख इकाई प्रतिदिन की है। इस रफ्तार से इस साल के उत्पादन को हॉलमार्क करने में 3-4 साल लगेंगे। उन्होंने कहा, ''मौजूदा समय में, नई एचयूआईडी प्रणाली उत्पादों को हॉलमार्क करने में लगभग 5 से 10 दिन का समय ले रही है, जिसके परिणामस्वरूप पूरी तरह से अड़चन आ रही है और उद्योग ठप है। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वैलरी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश कागरेचा ने कहा कि ज्वैलर्स ने हॉलमार्किंग का स्वागत किया है और पंजीकरण 34,000 से बढ़कर 88,000 हो गई है, जो उपभोक्ताओं के प्रति ज्वैलर्स की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। परिषद के अनुसार, आभूषणों का निर्माण या हॉलमार्क नहीं करने वाले और इसे एक व्यापारी की तरह बेचने वाले ज्वैलर्स पर होने वाले दंड और आपराधिक परिणाम के कारण- अंततः %इंस्पेक्टर राज% के डर से कारोबार बंद हो जाएगा, जो पहले ही शुरू हो चुका है। इसने कहा है कि एक नागरिक अपराध के लिए पंजीकरण रद्द करने के कठोर प्रावधान इस व्यापार पर लगाए गए हैं, जहां एक बीआईएस अधिकारी एक झटके से ही लाखों कर्मचारियों, कारीगरों और उनके आश्रितों की आजीविका का नुकसान हो सकता है। इसमें कहा गया है कि आभूषण उद्योग की निरंतर मांग के बावजूद कि बीआईएस अधिनियम तैयार करते समय हॉलमार्किंग पर नीति आयोग की रिपोर्ट को मानक के रूप में माना जाए, इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

लगातार तीसरे साल वन मेक चैंपियनशिप का तकनीकी साझेदार बना टीवीएस

नई दिल्ली:

दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए टायर बनाने वाली देश की अग्रणी कंपनी टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड लगातार तीसरे साल भी रेसिंग प्रतियोगिता टीवीएस वन मेक चैंपियनशिप का तकनीकी साझेदार बनी है। कंपनी के मुख्य तकनीक अधिकारी (शोध एवं विकास) शिव रामकृष्णन ने शनिवार को बताया कि टीवीएस श्रीचक्र वर्ष 1994 में वन मेक चैंपियनशिप शुरू करने वाली देश की पहली टायर निर्माता कंपनी है। उन्होंने कहा कि टीवीएस अपाचे श्रृंचाला की बाइकों को इसी रेसिंग डीएनए के आधार पर तैयार किया गया है। इस चैंपियनशिप का आयोजन मद्रास मोटर रेस ट्रैक पर किया गया है, जो आज से शुरू हो गया है। रामकृष्णन ने कहा कि इस साझेदारी के लिए टीवीएस यूरोग्रिप और टीवीएस अपाचे के बीच रणनीतिक करार किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष की चैंपियनशिप में टीवीएस यूरोग्रिप के फ्लैगशिप वाले टायर प्रोटॉक एक्सट्रीम अपाचे आरआर310 में और रेमोरा एडॉर्निंग को अपाचे आरटीआर200 4वी बाइक में देखा जा सकता है। मुख्य तकनीक अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2018 तक रेसिंग चैंपियनशिप में भाग लेने वाली बाइकों में यूरोप और जापान से आयातित टायरों का ही इस्तेमाल किया जाता था लेकिन वर्ष 2019 में टीवीएस श्रीचक्र ने टीवीएस यूरोग्रिप फ्लैगशिप के तहत अपने टायर बनाने शुरू कर दिए।

रियलमी ने भारत में अपनी बहुप्रतीक्षित रियलमी जीटी 5जी सीरीज़ और अपना पहला लैपटॉप, रियलमी बुक (स्लिम) लॉन्च किया

5जी इनेबल्ड स्मार्टफोन लॉन्च करने वाले भारत के पहले ब्रांड एवं सबसे तेजी से विकसित होते हुए टेक्नॉलॉजी ब्रांड, रियलमी ने आज अपनी फ्लैगशिप किलर सीरीज़, रियलमी जीटी 5जी सीरीज़ प्रस्तुत की, जिसमें दो अद्भुत 5जी स्मार्टफोन, रियलमी जीटी 5जी और रियलमी जीटी मास्टर एडिशन 5जी शामिल हैं। कंपनी ने अपना पहला लैपटॉप, रियलमी बुक (स्लिम) भी लॉन्च किया।

लॉन्च के अवसर पर श्री माधव शेठ, वाईस प्रेसिडेंट, रियलमी एवं चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफिसर, रियलमी इंडिया व यूरोप ने कहा, ''5जी लीडर एवं दुनिया के सबसे तेजी से विकसित होते हुए स्मार्टफोन ब्रांड के रूप में, रियलमी ने सदैव से यकीन रखा है कि हमारे यूज़र्स को 5जी का सर्वश्रेष्ठ अनुभव मिलना चाहिए, और यह हमारा मिशन है कि हम स्मार्टफोन की सर्वश्रेष्ठ विशेषताओं के साथ उपभोक्ताओं को 5जी के भविष्य के लिए तैयार करें। रियलमी जीटी 5जी इस दिशा में अगला कदम है, जिसके द्वारा हम दो अद्भुत 5जी स्मार्टफोन – रियलमी जीटी 5जी एवं रियलमी जीटी मास्टर एडिशन 5जी प्रस्तुत कर रहे हैं। हमने 2021 में बड़े व साहसी सपनों के साथ प्रवेश किया है और रियलमी जीटी 5जी में गति, डिज़ाइन और प्रोडक्ट वैल्यू की दृष्टि से टेक्नॉलॉजिकल विकास में सबसे आगे रहने का हमारा विचार समाहित है। हमने एंट्री एवं मिडरेंज सेगमेंट्स में हलचल मचा दी है, और अब, अपनी अल्टीमेट फ्लैगशिप किलर रियलमी जीटी 5जी सीरीज़ के साथ हम सर्वश्रेष्ठ टेक्नॉलॉजी एवं इनोवेशन पर आधारित प्रस्तुतियों के साथ प्रीमियम सेगमेंट में हलचल मचा देंगे।''

ऑटो उद्योग के क्लासिक ग्रांड टूरर से प्रेरित रियलमी जीटी 5जी सीरीज़ तीव्र गति, बेहतरीन डिज़ाइन और अत्याधुनिक टेक्नॉलॉजी का मिश्रण है, जो पुरानी यथास्थिति को बदलकर भारतीय उपभोक्ताओं को टेक्नॉलॉजी के नए मानक प्रदान करता है। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुत करते हुए रियलमी जीटी 5जी सीरीज़ प्रीमियम सेगमेंट में स्मार्टफोन यज़र्स को विस्तृत अनुभव प्रदान करने का वादा करती है और रियलमी की बेहतर टेक्नॉलॉजी व डिज़ाइन के जीन के साथ सुपर-पॉवर्ड 5जी अनुभव के नए युग की शुरुआत करती है। दूसरी तरफ, अद्भुत रियलमी बुक (स्लिम) में शक्तिशाली हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर का बेहतरीन मिश्रण है और यह अपने सेगमेंट का सबसे स्लिम एवं सबसे कम वजन का लैपटॉप है।

टायर एवं प्राकृतिक रबड़ की स्थानीय उपलब्धता के लिए प्रयास जारी: सियाम

नई दिल्ली: ऑटोमोबाइल कंपनियों के शीर्ष संगठन सियाम ने आज कहा कि स्थानीय स्तर पर टायर और प्राकृतिक रबड़ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार होने वाली कार्ययोजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने शनिवार को 'टायरों की देखभाल और सड़क सुरक्षा' पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि सड़क सुरक्षा एवं वाहनों के लिए टायर महत्वपूर्ण घटक हैं। उन्होंने कहा, ''ऑटोमोबाइल उद्योग में लंबे समय से यह चर्चा हो रही है कि वैसे सभी कल-पुर्जे जिन्हें हम आयात करते हैं उसकी स्थानीय स्तर पर उपलब्धता कैसे सुनिश्चित की जा सकती है। स्थानीय स्तर पर इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाई जा रही कार्ययोजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।' टायर निर्माताओं के संगठन एटीएमए के अध्यक्ष अंशुमन सिंघानिया ने कहा कि यह सर्वज्ञात है कि सड़क सुरक्षा के लिए टायर काफी महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अलावा वाहनों के माइलेज एवं नियंत्रण के लिए भी टायर का महत्व होता है। दुर्भाग्य है कि देश में वाहनों का सबसे उपेक्षित हिस्सा टायर ही हैं लेकिन अब टायर के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ रही है।

आर्सेनल ने गोलकीपर आरोन रैम्सडेल से दीर्घकालीन करार किया

लंदन। प्रीमियर लीग क्लब आर्सेनल ने शेफील्ड युनाइटेड के गोलकीपर आरोन रैम्सडेल के साथ एक लंबी अवधि की डील साइन की है।रैम्सडेल इंग्लैंड के यूरो 2020 टीम के सदस्य थे, जो फाइनल में पहुंचे लेकिन रैम्सडेल अपनी टीम के किसी भी मैच में शामिल नहीं हुए।रैम्सडील को अभी सीनियर इंटरनेशनल डेब्यू करना बाकी है। रैम्सडेल ने अंडर-18 और अंडर-21 स्तर पर इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। वह पिछले सीजन में शेफील्ड यूनाइटेड के प्लेयर ऑफ द ईयर थे। 23 वर्षीय रैम्सडेल 2.4 करोड़ पाउंड के सौदे में आर्सेनल में शामिल हुए, जो बोनस और ऐड-ऑन के साथ 3 करोड़ यूरो तक बढ़ सकता है। वह आर्सेनल के गोलकीपर के रूप में बर्नड लेनो और रनर एलेक्स रनरसन के साथ जुड़े हैं। रैम्सडेल ने अपने करियर की शुरूआत बोल्टन वांडर्स में युवा टीम के साथ की थी। 2013 में वह शेफील्ड यूनाइटेड चले गए। 2017 में, रैम्सडेल ने तत्कालीन प्रीमियर लीग क्लब बोर्नमाउथ के लिए तीन साल साउथ कोस्ट क्लब में बिताने के लिए हस्ताक्षर किए। रैम्सडेल 2020 में शेफील्ड यूनाइटेड में लौट आए और पिछले सीजन में उनके लिए हर प्रीमियर लीग मैच में शुरूआत की और पांच क्लीन शीट रखी। वह आर्सेनल के साथ 32 नंबर की शर्ट पहनेंगे।

महिला क्रिकेट:

ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने अभ्यास की चुनौतियां

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मेग लेनिंग कोविड-19 के व्यवधान की संभावनाओं के बारे में सत्र के पहले हिस्से में ज्यादा नहीं सोच रही हैं और उन्हें लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ अगले माह होने वाली सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार होगी।वेबसाइट क्रिकेइंफो के मुताबिक न्यू साउथ वेल्स में लॉकडाउन है। सिडनी में अक्टूबर में इसी तरह रहने की उम्मीद है। कैनबरा, मेलबर्न और डारविन अभी बंद हैं, जिसने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को दुविधा में डाल दिया है। पहले तो यह पक्का करना है कि टीम अच्छी तरह से तैयारी करे और उसके बाद मल्टी फॉर्मेट सीरीज खेले। न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के खिलाड़ियों को दूसरे राज्य में प्रवेश करने के लिए इस माह के खत्म होने से पहले क्वारंटीन में जाना होगा, जिससे की पहले वनडे के लिए टीम एकसाथ हो सके। यह मैच 19 सितंबर को सिडनी में होना है। तीन मैचों की टी20 सीरीज अक्टूबर के शुरूआत में खेली जाएगी। यहां तक की मेलबर्न में होने वाला दूसरा और तीसरा वनडे भी रोडब्लॉक्स की परेशानी से जूझ सकते हैं, क्योंकि इसके बाद पर्थ में डे नाइट टेस्ट 30 सितंबर से खेला जाएगा। साथ ही बायो सिक्योर रणनीति सरकार की छूट में मददगार साबित हो सकती हैं। टीमों को वैक्सीनेटिड भी होना होगा क्योंकि न्यू साउथ वेल्स से वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने के लिए वैक्सीनेटिड होना जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया की रणनीति थी कि वह डरविन और ब्रिसबेन में ट्रेनिंग कैंप लगाएगी, लेकिन कोविड आउटब्रेक और बॉर्डर बंद होने के कारण ऐसा नहीं हो सका और टीम की खिलाड़ी अप्रैल में न्यूजीलैंड दौरे के बाद से ही नहीं मिली हैं, जो भी काम है वह जूम पर बातचीत से ही हो रहा है। लेनिंग ने कहा कि, अभी कुछ नहीं पता है, हम लंबे समय से मिले नहीं है, अभ्यास नहीं किया है, लेकिन सच कहूं तो हमने इस बारे में बात की है। इस समय अभ्यास सही नहीं है। आपको अपने अनुभव पर फैसला लेना होगा और खुद पर विश्वास करना होगा। यह मुश्किल है लेकिन अभी तक हमने इसका डटकर सामना किया है और इस सीरीज में कुछ अलग नहीं है। जो भी तैयारी हम करेंगे वह काफी होगी। भारतीय टीम जब इस माह के अंत यहां पहुंचेगी तो उन्हें दो सप्ताह तक क्वारंटीन रहना होगा। भारतीय टीम की पांच खिलाड़ी द हंड्रेड में खेली, जिससे उन्हें अच्छा अभ्यास भी मिला। इनमें हरमनप्रीत कौर, स्मृति मांधना, जेमिमाह रोड्रिग्वेस, दीप्ति शर्मा और शेफाली वर्मा शामिल हैं।

एशियन यूथ एंड जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पहले दिन 6 भारतीयों की जीत

नई दिल्ली। रोहित चमोली, अंकुश और गौरव सैनी उन छह भारतीय मुक्केबाजों में शामिल हैं, जिन्होंने दुबई में जारी एएसबीसी यूथ एंड जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप के उद्घाटन के मौके पर अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। भारत को जूनियर लड़कों की स्पर्धा में एक शानदार शुरुआत दिलाते हुए रोहित (48 किग्रा), अंकुश (66 किग्रा) और गौरव (70 किग्रा) ने अपने-अपने विरोधियों के खिलाफ आत्मविश्वास से भरपूर जीत का दावा किया और सेमीफाइनल में स्थान हासिल करते हुए खुद के और देश के लिए पदक सुरक्षित किए। चंडीगढ़ के रोहित ने अलहसन कादौस श्रिया को एकतरफा अंदाज में 5-0 से और अंकुश ने कुवैत के बदर शेहाब को इसी अंदाज में 5-0 से हराया। हरियाणा के गौरव ने भी दूसरे दौर के मुकाबले में रेफरी स्टॉपिंग द कॉन्टेस्ट (आरएससी) के साथ विजेता घोषित होने से पहले एक अन्य कुवैती मुक्केबाज याकूब सादल्लाह के खिलाफ दबदबा दिखाया। इसके अलावा आशीष (54 किग्रा), अंशुल (57 किग्रा) और प्रीत मलिक (63 किग्रा) अन्य तीन जूनियर मुक्केबाज हैं, जिन्होंने अपने-अपने शुरूआती दौर के मैचों में जीत हासिल की। दूसरी ओर, यशवर्धन सिंह (60 किग्रा), उस्मान मोहम्मद सुल्तान (50 किग्रा), नक्श बेनीवाल (75 किग्रा) और ऋषभ सिंह (81 किग्रा) को अपने-अपने शुरूआती मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। 2021 विश्व युवा चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता विश्वामित्र चोंगथम इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय आयोजन में अपने अभियान की शुरूआत करेंगे। दूसरे दिन छह युवा भारतीय मुक्केबाज एक्शन में दिखाई देंगे। विश्वामित्र के अलावा, दक्ष सिंह (67 किग्रा), दीपक (75 किग्रा), आदित्य जंघू (86 किग्रा) और अभिमन्यु लौरा (92) अपने शुरूआती दौर के मैच खेलेंगे, जबकि महिला वर्ग में प्रीति (57 किग्रा) अपनी चुनौती की शुरूआत करेंगी। महामारी के कारण लगभग दो वर्षों के अंतराल के बाद आयोजि की जा रही एशियाई चैंपियनशिप एशियाई स्तर पर होनहार युवा प्रतिभाओं को बहुत आवश्यक प्रतिस्पर्धा प्रदान करेगी। इस चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने वाले प्रमुख मजबूत मुक्केबाजी देशों में कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान शामिल हैं और इनकी मौजूदगी के कारण इस आयोजन में एक रोमांचक प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है।

सिनसिनाटी सेमीफाइनल में ज्वेरेव से भिड़ेंगे सितसिपास

सिनसिनाटी।

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास ने यहां जारी वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सितसिपास ने क्वार्टर फाइनल में कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को दो घंटे 12 मिनट में 6-2, 5-7, 6-1 से हराया। सितसिपास का अगला मुकाबला टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जिन्होंने नॉर्वे के कैस्पर रूड को 6-1, 6-3 से हराया। सितसिपास ने एटीपी आयोजनों में ज्वेरेव से 8 बार मुकाबला किया है और 6 बार उनकी जीत हुई है। इस सीजन की शुरूआत में मोंटे कार्लो ओपन में खिताबी जीत के बाद सितसिपास अपना दूसरा मास्टर्स 1000 खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने कैस्पर रूड और उनके बढ़ते हार्ड-कोर्ट आत्मविश्वास को 6-1, 6-3 की आसान जीत के साथ एक रियलिटी चेक दिया और लगातार दूसरे फाइनल के करीब पहुंच गए हैं।

विश्व एथलेटिक्स यू20 चैम्पियनशिप : अमित ने 10,000 मीटर रेस वॉक में रजत जीता

नैरोबी।

भारतीय रेस वॉकर अमित खत्री ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए नैरोबी के कसारानी स्टेडियम में विश्व एथलेटिक्स अंडर20 चैंपियनशिप में पुरुषों की 10,000 मीटर रेस वॉक स्पर्धा में रजत पदक जीता। खत्री ने 42:17.94 मिनट के समय के साथ रजत पदक जीता। अंतिम दो लैप्स में केन्या के हेरिस्टोन वान्योनी के आगे निकलने से पहले वह रइस इवेंट की अगुवाई कर रहे थे। आखिरकार, वान्योनी ने 42:10.84 मिनट समय के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। स्पेन के पॉल मैकग्राथ ने 42:31.11 मिनट के समय के साथ कांस्य पदक जीता। एथलेटिक्स महासंघ ने अमित के हवाले से कहा, चूंकि यह ऊंचाई वाला स्थान है, इसलिए मेरे लिए सांस लेने में समस्या थी। यह मेरी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता थी और भारत के लिए रजत पदक जीता। मैं रजत से खुश हूं, कम से कम मैं भारत की उम्मीदों को पूरा कर सकता हूं। यह मौजूदा प्रतियोगिता में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले बुधवार को भारत श्रीधर, प्रिया एच मोहन, सुमी और कपिल की भारतीय चौकड़ी ने 4गुणा400 मीटर मिश्रित रिले फाइनल में सीजन-बेस्ट 3:20.60 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता था। इस साल जनवरी में, खत्री ने भोपाल में जूनियर फेडरेशन कप में पुरुषों की 10000 मीटर रेस वॉक खिताब जीतते हुए एक नया राष्ट्रीय

रिकॉर्ड बनाया था। रोहतक, हरियाणा के युवा वॉकर ने 40 मिनट 40.97 सेकेंड में दौड़ पूरी की थी। इस दौरान खत्री ने अक्षदीप सिंह के मौजूदा राष्ट्रीय रिकॉर्ड 40: 37.78 मिनट में सुधार किया और राज्य के परमदीप मोर के रिकार्ड से लगभग आधा मिनट आगे रहते हुए फिनिश लाइन तक पहुंचे थे।

आईपीएल 2021

दिल्ली कैपिटल्स दुबई के लिए रवाना

नई दिल्ली।

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) इंडियन प्रीमियर लीग 2021 के बाकी बचे मैचों में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को दुबई के लिए रवाना हो गई। टीम के अधिकारियों के साथ टीम के घरेलू खिलाड़ी दुबई के लिए रवाना होने वालों में शामिल हैं। फ्रैंचाइजी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के साथ दुबई के लिए अपने प्रस्थान की पुष्टि की। नई दिल्ली में आईजीआई हवाई अड्डे पर टीम के सदस्यों को दिखाते हुए कैप्शन के साथ फिर से उड़ चला 2.0, हम संयुक्त अरब अमीरात के लिए रवाना हो गए हैं। लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने एयरपोर्ट पर पीपीई किट में अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर एनरूट दुबई कैप्शन के साथ पोस्ट की थी। दिल्ली के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पहले ही सहायक कोच प्रवीण आमरे के साथ दुबई पहुंच चुके थे। फ्रेंचाइजी ने आईसीसी अकादमी में उनका बल्लेबाजी करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था। मार्च में पुणे में इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण के दौरान कंधे में लगी चोट के कारण अय्यर आईपीएल से बाहर हो गए थे लेकिन अब वह फिट हो चुके हैं। 8 अप्रैल को उनके कंधे की सर्जरी हुई थी और उसी के लिए उनका गहन पुनर्वास किया गया था। अभी यह तय नहीं हुआ है कि अय्यर की कप्तानी में वापसी होगी या ऋषभ पंत ही कप्तान बने रहते हैं। पंत की

कप्तानी में दिल्ली की टीम ने हालांकि अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

दिल्ली कैपिटल्स आठ मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है। 22 सितंबर को दुबई में उनका सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इससे पहले, मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स यूएई के लिए रवाना हुए थे और उन्होंने आईपीएल के दूसरे चरण के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है। नई दिल्ली और अहमदाबाद में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण बायो बबल में संघ लगी थी और इसी कारण मई में आईपीएल 2021 को स्थगित कर दिया गया था। दूसरा चरण 19 सितंबर से दुबई में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा।

आईपीएल 2021: मुंबई इंडियंस ने यूएई में ट्रेनिंग सेशन की शुरूआत की

अबू धाबी।

इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के लिए अपना प्रशिक्षण सत्र शुरू कर दिया है। पांच बार के चैंपियन ने सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों के वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं और रोशनी के नीचे स्टाफ प्रशिक्षण का समर्थन किया। टीम के भारतीय सदस्य 13 अगस्त को अबू धाबी पहुंचे और अपना एक सप्ताह का क्वारंटीन पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान किशन स्कूप शॉट का अभ्यास करते दिखे। फील्डिंग कोच जेम्स पैमेंट के साथ क्रिकेट संचालन निदेशक जहीर खान की एक तस्वीर दिखाई दे रही थी। फ्रैंचाइजी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में अपने प्रशिक्षण का सारांश देते हुए कैप्शन दिया, 55 सेकेंड में काम का पहला दिन! अपनी नोटीफिकेशन चालू करें और हमारे साथ बने रहें। इससे पहले, टीम को एक वीडियो में भी देखा गया था, जो अपनी क्वारंटीन अवधि की समाप्ति के बाद पूल वॉलीबॉल खेल रही थी। इस वीडियो का शीर्षक था क्वारंटीन से निकलते ही सीधे पूल वॉलीबॉल के लिए गोता लगाना। किशन के अलावा, क्लिप में पीयूष चावला, आदित्य तारे और धवल कुलकर्णी भी थे। यूएई स्थित आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना 19 सितंबर को दुबई में चेन्नई सुपर किंग्स से होगा। मुंबई सात मैचों में आठ अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

पैरालंपिक खेल गांव के अंदर 2 कोरोना मामलों की पुष्टि

टोक्यो। टोक्यो पैरालंपिक खेलों की आयोजन समिति ने शनिवार को एथलीटों के गांव में कोविड-19 के पहले दो मामलों के सामने आने की पुष्टि की है। उद्घाटन समारोह में दो दिनों का समय रह गया है और आयोजन समिति ने कहा है कि पिछले 24 घंटों में कुल 15 नए मामले सामने आए हैं। अभी तक किसी भी एथलीट की रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आई है, क्योंकि गांव के अंदर से जो दो मामले सामने आए हैं, वे स्टाफ से संबंधित हैं। हालांकि बड़ी संख्या में प्रतिभागी टोक्यो पहुंच चुके हैं और कुछ अभी भी क्वारंटाइन में हैं। शनिवार को पुष्टि किए गए 15 मामलों में पांच खेल संबंधित व्यक्ति शामल हैं। इसमें अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और अंतर्राष्ट्रीय महासंघ के प्रतिनिधि शामिल हैं। बाकी 10 मामले पैरालंपिक खेलों के ठेकेदारों और उनके कर्मचारियों में से सामने आए हैं। पॉजिटिव आने वालों को अलग कर दिया गया है। 12 अगस्त से अब तक पैरालंपिक खेलों के संबंध में कोविड -19 के 101 पुष्ट मामले सामने आए हैं। पैरालंपिक खेल 24 अगस्त से शुरू होंगे और 5 सितंबर तक जारी रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

वाडा ने एथेंस की डोपिंग रोधी प्रयोगशाला को निलंबित किया

मुंबई। विश्व डोपिंग रोधी प्राधिकरण (वाडा) ने इंटरनेशनल स्टैंडर्ड फॉर लेबोरेटरीज (आईएसएल) और उससे संबंधित तकनीकी दस्तावेजों का अनुपालन नहीं करने के कारण एथेंस (ग्रीस) स्थित डोपिंग नियंत्रण प्रयोगशाला की मान्यता रद्द कर दी है। वाडा की अनुशासन समिति द्वारा की गई सिफारिश को इसकी कार्यकारी समिति ने गुरुवार को ऑनलाइन आयोजित एक असाधारण बैठक में समर्थन दिया। वाडा ने शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा, एथेंस प्रयोगशाला, जिसे पहले ही निलंबित कर दिया गया था, को तुरंत बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में सूचित किया गया। इस निर्णय के बाद यह प्रयोगशाला डोपिंग रोधी संगठनों के लिए डोपिंग नियंत्रण नमूनों का विश्लेषण करने के लिए अयोग्य है जो विश्व डोपिंग रोधी संहिता (कोड) के अनुरूप हैं। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है, एथेंस प्रयोगशाला को यह भी सूचित किया गया था कि यदि प्रयोगशाला भविष्य में वाडा मान्यता प्राप्त करना चाहती है, तो यह अनुरोध कर सकती है कि वाडा पुनः मान्यता प्रक्रिया में तेजी लाए, जिसे वाडा एक्सको द्वारा आईएसएल के अनुच्छेद 4.6.6.2 के अनुसार अनुमोदित किया जाएगा।

आईपीएल 2021: हेसन को आरसीबी का मुख्य कोच नियुक्त किया गया

बेंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने शनिवार को घोषणा की कि मुख्य कोच साइमन कैटिच ने व्यक्तिगत कारणों से पद छोड़ दिया है और उनकी जगह क्रिकेट संचालन के निदेशक माइक हेसन सीजन के अंत तक मुख्य कोच का पद संभालेंगे। राजेश मेनन, उपाध्यक्ष और प्रमुख, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, साइमन कैटिच ने मुख्य कोच के रूप में अपने पद से हटने का फैसला किया है और मुख्य रूप से व्यक्तिगत कारणों से। हम उनके फैसले का समर्थन करते हैं। माइक हेसन इस टूर्नामेंट के अंत तक मुख्य कोच के रूप में काम करेंगे और कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। हेसन न्यूजीलैंड को कोचिंग दे रहे हैं। फ्रेंचाइजी ने यह भी कहा कि उसने सिंगापुर के टिम डेविड के अलावा वनिन्दु हसरंगा और दुष्मंथा चमीरा की श्रीलंकाई जोड़ी को रिप्लेस में खिलाड़ियों के रूप में अनुबंधित किया है। लेग स्पिनर हसरंगा ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा की जगह लेंगे, जो व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हट गए थे। वह भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में प्रभावशाली दिखे थे और 5.58 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए थे। चमीरा ने जम्पा के साथी डेनियल सैम्स की जगह ली है, जो केन रिचर्डसन के साथ बाहर हो गए हैं। वह हसरंगा के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, जिन्होंने 5.25 की इकॉनमी रेट से चार विकेट लिए। हेसन ने कहा, फिन एलन और स्कॉट कुगलेइजन दोनों को न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुना गया है और वे आरसीबी का हिस्सा नहीं होंगे। केन रिचर्डसन ने खुद को अनुपलब्ध बताया है। इसलिए, हमारी टीम का संतुलन नाटकीय रूप से बदल गया है।

महिलाओं के आईपीएल से मजबूत होगी भारतीय टीम : मंधाना

नई दिल्ली।

भारत की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को लगता है कि देश के अंदर क्रिकेट में इतनी गहराई है कि छह टीमों का महिला आईपीएल कराया जा सकता है, जिससे भारतीय टीम की बेंच स्ट्रेंथ भी मजबूत होगी। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक 25 वर्षीय मंधाना ने कहा कि टी20 लीग के आने से पुरुषों के गेम में घरेलू खिलाड़ियों की क्वालिटी में सुधार हुआ है और यही महिला क्रिकेट में भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि पुरुष और महिला टीमों के बराबर राज्य है। ऐसे में जब पुरुषों का आईपीएल शुरू हुआ तो तब भी बराबर राज्य थे, लेकिन साल दर साल क्वालिटी बेहतर होती चली गई। मांधना यहां पर रविचंद्रन अश्विन के साथ उनके यूटयूब चैनल पर बात कर रही थी। मंधाना ने कहा कि आज आईपीएल क्या है, 10 या 11 साल पहले ऐसा नहीं था। यही महिला क्रिकेट के साथ है, हमारे पास कुछ ही लड़कियां हैं जो क्रिकेट खेल रही हैं। बकौल मंधाना, अभी मुझे लगता है कि हम छह टीमों के साथ आईपीएल की शुरूआत कर सकते हैं और आगे इसको आठ टीम में तब्दील किया जा सकता है, लेकिन अभी हमने शुरूआत नहीं की है तो हम कुछ कह नहीं सकते। मंधाना को लगता है कि लीग से महिलाओं को सही एक्सपोजर मिलेगा जो उनके खेल को सुधारने में जरूरी है। पांच से छह टीम के साथ हम शुरूआत कर सकते हैं, लेकिन आठ टीम पर मैं पूरी तरह से पक्का नहीं कह सकती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि हमें पांच या छह टीम से जरूर शुरूआत करनी चाहिए?, जिससे हमें भविष्य में आठ टीम मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अगर हम शुरूआत नहीं करते हैं तो हमारी लड़कियों को भी अपने क्रिकेट को अलग स्तर तक पहुंचाने का मौका नहीं मिलेगा। महिलाओं का बिग बैश लीग होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत हुई है। ऐसा ही कुछ महिलाओं के आईपीएल से भारतीय टीम के साथ हो सकता है। मंधाना ने कहा, मैं चार साल पहले बिग बैश खेली थी लेकिन अब इसकी क्वालिटी अलग है। आप देख सकते हैं कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पास 40-50 क्रिकेटरों का पूल है, जो कभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए तैयार हैं। उन्होंने ने कहा, ऐसा ही कुछ मैं भारतीय क्रिकेट के साथ होता देखना चाहती हूं। मुझे लगता है कि आईपीएल इसमें बड़ा योगदान दे सकता है।

चेन्नइयन एफसी ने पोलिश स्ट्राइकर लुकाज गिकिविक्ज के साथ करार किया

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की दो बार की चैंपियन चेन्नइयन एफसी (सीएफसी) ने पोलैंड के स्ट्राइकर लुकाज गिकिविज के साथ आगामी सत्र से पहले एक साल का करार किया है। सेंटर-फॉरवर्ड लुकाज सीएफसी के लिए पांचवां विदेशी हस्ताक्षर है। लुकाज, जिनके नाम 200 से अधिक क्लब मैचों में अब तक 49 गोल और 21 असिस्ट हैं, भारत की प्रमुख फुटबॉल लीग में अपने पदार्पण अभियान में अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे। लुकाज अन्य एशियाई देशों जैसे कजाकिस्तान, सऊदी अरब, थाईलैंड और बहरीन में भी खेल चुके हैं। उन्होंने अल-फैसली अम्मान के लिए खेलते हुए 2017/18 जॉर्डन प्रो लीग के शीर्ष स्कोरर के रूप में अपना नाम दर्ज कराया था। लुकाज ने दुनिया के दो सबसे बड़े क्लब टूर्नामेंट-यूरोपा लीग और चैंपियंस लीग में संयुक्त रूप से 12 मैच खेले हैं। 13 साल पहले पोलिश क्लब ओलिंपिया एलब्लाग के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरूआत करने के बाद, लुकाज ने साइरपस, बुल्गारिया और रोमानिया में भी खेला है। लुकाज ने क्लब मीडिया टीम से कहा, मैं क्लब में शामिल होकर बहुत खुश हूं। मेरा उद्देश्य टीम को तीसरा आईएसएल खिताब दिलाने में मदद करना है। प्रशंसक इसके लायक हैं और ऐसा ही क्लब दो बार लीग जीत चुका है। सीएफसी की सह-मालिक वीटा दानी ने कहा, हम इस सीजन में लुकाज को अपने आक्रमण को मजबूत करने और बहुत आवश्यक लक्ष्य प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। यह हमारे लिए एक बहुत ही सकारात्मक करार है।

जीआईडीसी के उद्योगकारों को मिलेगी लगभग 500 करोड़ रुपए की राहत-सहायता

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कोरोना की दूसरी लहर के बाद राज्य के उद्योगकारों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाईयों को दूसरी लहर के प्रतिकूल आर्थिक हालात से उबरने के लिए राहत देने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है। इससे पूर्व कोरोना की पहली लहर के बाद राज्य के उद्योग-व्यापार जगत को पुन: गतिशील बनाकर आर्थिक परिस्थिति को बल देने के लिए मुख्यमंत्री ने 14 हजार करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर पैकेज का ऐलान किया था। इस पैकेज के अंतर्गत गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) की ओर से 14 योजनाओं के तहत 31166 उद्योगकारों को 407.72 करोड़ रुपए के लाभ प्राप्त हुए हैं। उद्योग संगठनों, गुजरात व्यापारी महामंडल और फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज एंड एसोसिएशन (एफआईए) ने मुख्यमंत्री से यह निवेदन किया था कि कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद भी उद्योगों के लिए इस आत्मनिर्भर पैकेज को पुन: लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने इन मांगों पर संवेदनापूर्ण सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) को जरूरी कार्यवाही के लिए निर्देश एवं मार्गदर्शन दिए थे। विजय रूपाणी के दूरदर्शी नेतृत्व में जीआईडीसी ने इस संदर्भ में चार नीति विषयक योजनाएं घोषित की हैं। इन योजनाओं का 500 करोड़ रुपए का अनुमानित लाभ-सहायता औद्योगिक क्षेत्र के 50000 से अधिक उद्योगों को मिलेगा। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने जीआईडीसी के अध्यक्ष बलवंतसिंह राजपूत, उद्योग एवं खनन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजीव कुमार गुप्ता तथा जीआईडीसी के प्रबंध निदेशक एम. थेन्नारसन के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक के बाद चार नीति विषयक योजनाओं की घोषणा की गई है, जिसकी जानकारी एम. थेन्नारसन ने दी।

इन योजनाओं में जिन बातों का समावेश किया गया है उसके अनुसार उद्यमियों को आर्थिक प्रोत्साहन देने के लिए यह निर्णय किया गया है कि उद्योगकारों को उत्पादन शुरू करने की समय सीमा यानी मोरेटोरियम अवधि अप्रयुक्त (बिना इस्तेमाल) के लिए जुर्माने की राशि लिए बिना और 1 वर्ष बढ़ा दी जाएगी। निर्णय के अनुसार जिन उद्योगकारों की उत्पादन शुरू करने की समय सीमा 2021-22 में पूरी हो रही है, उसे इस्तेमाल नहीं करने की स्थिति में लगने वाला जुर्माना वसूल किए बगैर अतिरिक्त वर्ष के लिए समय सीमा बढ़ा दी जाएगी। इस निर्णय के परिणामस्वरूप उद्योगकारों को संपत्ति का उपयोग करने के लिए और समय मिल सकेगा और प्रति वर्ष वितरण मूल्य के 2 फीसदी के हिसाब से अप्रयुक्त जुर्माने की कुल 16.70 करोड़ रुपए रकम भरने से छूट मिलेगी। इस योजना का लाभ लगभग 672 लाभार्थियों को मिलने पात्र होगा। अध्ययन आदि कार्यों के लिए खर्च करने की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। इस नीति के अंतर्गत 138 क्षेत्रों को लगभग 71.30 करोड़ रुपए का लाभ मिलेगा।

श्रावण मास में ६० रुपये के टिकट पर १९ धार्मिक स्थलों की कर सकते हैं यात्रा

रक्षाबंधन के दिन महिलाओं के मनपसंद टिकट का रेट १५ रुपये से घटाकर १० रुपये किया गया है

अहमदाबाद ।

AMTS ने श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष घोषणा की है । AMTS ने श्रावण के महीने में एक धार्मिक यात्रा के योजना की घोषणा की है । जिसके तहत नागरिक शहर के १९ धार्मिक स्थलों की सिटी बस में केवल ६० रुपये में यात्रा कर सकेंगे । जबकि बच्चों के लिए टिकट ३० रुपया रखा गया है । इस धार्मिक यात्रा के लिए ४० यात्रियों का होना जरूरी है । AMTS के अध्यक्ष वल्लभभाई पटेल ने इस सिलसिले में जानकारी देते हुए कहा कि श्रावण मास ९ अगस्त से शुरू हो गया है । नागरिकों के देवदर्शन जाने के लिए धार्मिक यात्रा योजना लागू की गई है ।

इस बस सेवा का लाभ लालदरवाजा, सारंगपुर, मणिनगर और वाडज बस टर्मिनर से शुरू होगा । तीर्थयात्रा में जलाराम मंदिर, इस्कॉन मंदिर, गुरुद्वारा, हरे कृष्ण मंदिर, सोला भागवत विद्यापीठ, तिरुपति बालाजी, वैष्णोदेवी मंदिर, त्रिमंदिर, महाकाली मंदिर, अक्षर पुरुषोत्तम मंदिर, केंप हनुमान मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर, असरवा बैठक, नरोडा बैठक, कर्णमुक्तेश्वर महादेव, लांभा मंदिर, जगन्नाथजी मंदिर और भद्रकाली मंदिर को मिलाकर १९ धर्मिक स्थलों की यात्रा करवाया जाएगा । इसके अलावा २२ अगस्त को रक्षाबंधन के दिन महिलाओं के मनपसंद टिकट का रेट १५ रुपये से घटाकर १० रुपये किया जाएगा । इस दिन बच्चों को पांच रुपये का टिकट खरीदना होगा । रक्षाबंधन के दिन मनपसंद पास लेने वाली महिलाएं सुबह ६ बजे से रात १० बजे तक किसी भी बस में यात्रा कर सकेंगी ।

सिविल अस्पताल में ५ माह के बच्चे की कोरोना से मौत

राजकोट ।

कोरोना की तीसरी लहर को लेकर लगातार सतर्कता बरतने की नसीहत दी जा रही है । ऐसा भी कहा जा रहा है कि कोरोना की तीसरी लहर बच्चों के लिए कहीं ज्यादा घातक साबित हो सकती है । गुजरात में पॉजिटिव मामलों में गिरावट के साथ ही स्कूलों में चरणबद्ध तरीके से ऑफलाइन कक्षाएं शुरू की जा रही हैं । इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि राजकोट सिविल अस्पताल में ५ महीने के बच्चे की कोरोना से मौत हो गई है । मिली जानकारी के अनुसार राजकोट सिविल अस्पताल में ५ माह के बच्चे की कोरोना से मौत हो गयी । शहर के घनश्याम नगर में रहने वाले बच्चे को १९ अगस्त को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था । जहां आज सुबह साढ़े पांच बजे बच्चे ने अंतिम सांस ली । फिलहाल राजकोट सिविल अस्पताल के अधीक्षक ने पूरे मामले की जांच सौंपी है । स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक अक्टूबर तक कभी भी कोरोना की तीसरी लहर दस्तक दे सकती है । देश में कितनी घातक होगी कोरोना की तीसरी लहर? यह इस बात पर निर्भर करता है कि लोग कितनी अच्छी तरह कोविड दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हैं । बच्चों के लिए टीकाकरण अभी तक शुरू नहीं हुआ है, जिससे बच्चों को तीसरी लहर में संक्रमण का सबसे ज्यादा खतरा होने की संभावना जताई जा रही है । कोरोना की

तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए गुजरात समेत देश के कई राज्यों ने अपने अस्पतालों में बच्चों के लिए अलग वार्ड, बेड और ऑक्सीजन मुहैया कराना शुरू कर दिया है । इसके अलावा देश में जल्द ही बच्चों के लिए कोरोना टीका को भी मंजूरी दी जा सकती है ।

१ लाख १३ हजार छात्रों का गुजकेट परिणाम घोषित

अहमदाबाद ।

गुजरात कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (गुजकेट) २०२१ का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है । परिणाम आज सुबह १० बजे गुजरात माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर घोषित किया गया है । इंजीनियरिंग और फार्मेसी में दाखिले के लिए गुजकेट की परीक्षा ली जाती है । गौरतलब है कि ६ अगस्त को कुल ४ विषयों की फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैथमेटिक्स की परीक्षा आयोजित हुई थी । आज १ लाख १३ हजार छात्रों का रिजल्ट घोषित किया गया है । गुजरात माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित परिणामों की बात करें तो ग्रुप ए में ९९वीं पर्सेंटाइल के साथ ग्रुप में ४७४ छात्र, ९८ पर्सेंटाइल के साथ ग्रुप ए में ९४० छात्र, ९६ पर्सेंटाइल के साथ और ग्रुप बी में २७०१ छात्रों को शामिल किया गया है । इस साल परीक्षा के लिए १,१७,९३२ छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, इनमें से १,१३,२०२ छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे, वहीं ४,७३० छात्र इसमें अबसेंट रहे । छात्र अपना रिजल्ट बोर्ड की वेबसाइट result Jg-seb Jorg पर देख सकते हैं । परिणाम देखने के लिए सीट नंबर की आवश्यकता होगी । ६ अगस्त को गुज केट की परीक्षा हुई थी । कक्षा १२ विज्ञान के बाद डिग्री इंजीनियरिंग और डिग्री/डिप्लोमा फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए गुजकेट परीक्षा आयोजित की जाती है । गुजरात कॉमन एंट्रेंस टेस्ट में बहुविकल्पीय प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए थे । १२० मिनट की भौतिक और केमिस्ट्री की परीक्षा ली गई । फिजिक्स और केमिस्ट्री के पेपर में ४०-४० सवाल पूछे गए थे, दोनों पेपर ४०-४० अंक के थे । जीव विज्ञान और गणित के पेपर

अलग-अलग पूछे गए थे । बायोलॉजी का पेपर ४० अंकों का था जिसमें ४० प्रश्न पूछे गए थे । इसके लिए ६० मिनट का वक्त आवंटित किया गया था । ४० अंकों का गणित का पेपर था इसमें भी ४० प्रश्न पूछे गए थे । इसके लिए ६० मिनट आवंटित किए गए थे । गुजराती, हिंदी और अंग्रेजी कुल ३ भाषाओं में परीक्षा आयोजित की गई थी ।

परम पूज्यश्री चंद्रशेखर विजयजी महाराज साहेब की पुण्यतिथि पर अनाज किट वितरित की गई

सूरत भूमि, सूरत।

श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट गोपीपुरा सूरत के प्रेरक युगप्रधान आचार्यसम परम पूज्य श्री चंद्रशेखर विजयजी महाराज साहब की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर हल्दी आदि अनाज किट रूप में किए गए। वितरित किए गए। कम से कम 50 नागरिक जो अपने कानों से नहीं सुन सकते थे, उन विकलांगों के लिए ईयर मशीन के साथ-साथ व्हीलचेयर और ट्राइसाइकिल दिए गए। उस दिन श्री सहस्त्रफणा प्रयोगशाला में सभी रक्त और मूत्र की रिपोर्ट नि: शुल्क निकाली गई थी। पूरे भारत में पांजरापोल में 10,000,00 (एक मिलियन) से अधिक घास वितरित की गई साथ ही अंतरिक्ष तिर्थे अकोला पशुओं को पांजरापोल में रखने के लिए एक हाइड्रोलिक वाहन भी गुरु की स्मृति में उपहार के रूप में दिया गया था। गुरुदेव के प्रिय कई शुभ कार्य उनकी स्मृति में उन्हें श्रद्धांजलि के मानवता और करुणा के सुंदर कार्य किए गए। जिसके तहच 2000 से अधिक भूखे लोगों को मिठाई के साथ भोजन दिया गया। 200 बेसहारा परिवारों को गेहूं, चावल, बाजरा, घी, तेल गुड़, चाय, खाद, नमक,

गांधीनगर में बारिश की शुरुआत के साथ ही मच्छर जनित बीमारियों का बढ़ा ग्राफ

एक बार फिर से बारिश की एंट्री हो चुकी है

गांधीनगर की बात करें तो यहां अगस्त के महीने में मच्छर जनित और जलजनित बीमारियों में इजाफा हुआ है

गांधीनगर ।

गुजरात में लंबे विराम के बाद एक बार फिर से बारिश की एंट्री हो चुकी है । कल से आज तक करीब २०० तालुका में बारिश होने की जानकारी सामने आ रही है । जिसमें सबसे ज्यादा बारिश वलसाड, नवसारी, डांग, तापी, भरूच, सूरत, अमरेली और सौराष्ट्र जैसे कई जिलों में दर्ज की गई । जहां एक तरफ बारिश का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे । वहीं दूसरी तरफ बारिश की वजह से मच्छर जनित बीमारियों की वजह से कोहराम मच गया है । गुजरात के कुछ जिलों में जहां पिछले कुछ दिनों से बारिश का मौसम बना हुआ है । वहीं बारिश के साथ-साथ जलजनित और मच्छर जनित महामारी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं ।

अगर गांधीनगर की बात करें तो यहां अगस्त के महीने में मच्छर जनित और जलजनित बीमारियों में इजाफा हुआ है । गांधीनगर नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी कल्पेश गोस्वामी के मुताबिक इस साल जुलाई की तुलना में अगस्त में जलजनित और मच्छर ज नित रोगियों की संख्या में प्रतिदिन ३५० से अधिक ओपीडी चालू हैं । मानसून सीजन में कुल आंकड़ों पर नजर डालें तो मलेरिया के ७६ मामले, डेंगू के १२२ मामले और चिकनपॉक्स के १० मामले सामने आए हैं ।

में आंशिक वृद्धि हुई है । गांधीनगर में अगस्त माह में मलेरिया के १५ नए मामले सामने आए हैं । वर्तमान में विभिन्न शहरी स्वास्थ्य केंद्रों

मेट्रो काम चलने की वजह से शहर के ५ रूट बंध रहेंगे

स्वस्तिक चार रास्ता से नवरंगपुरा कोमर्स कॉलेज की ओर जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया गया है

अहमदाबाद ।

मेट्रो ट्रेन के लिए धीमी रफ्तार से काम चालू है जिसकी वजह से वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि शहर में मेट्रो की वजह से एक ही समय में तीन अलग-अलग रूटों को बंद कर दिया गया है । स्वस्तिक चार रास्ता से नवरंगपुरा कोमर्स कॉलेज की ओर जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया गया है । मेट्रो पिलर नंबर २०८ से २१३ तक का रूट बंद कर दिया गया है । मेट्रो के लिए जारी निर्माण कार्य की वजह से इस रूट को अलगे दो महीने के लिए बंद रखने का फैसला लिया गया है । इतना ही नहीं स्टेडियम चार रास्ता से नवरंगपुरा छह रास्ता के बीच के रोड को भी बंद कर दिया गया है । धीमी गति से चलने वाले मेट्रो निर्माण कार्य से ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया गया है । जि ससे हर दिन आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । अहमदाबाद में कोरोना के दैनिक मामलों में कमी दर्ज होने के बाद मेट्रो फेज-२ का काम-काज शुरू कर दिया गया है । जिसकी वजह से अलग-अलग रूट के ५ रास्तों को बंद कर दिया गया है । यह सड़क अगले २ महीने के लिए बंद रहेंगी ।

मेट्रो को लोगों की सुविधा के लिए बनाया जा रहा है, लेकिन इसके काम-काज से वाहन चालकों को ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है । कुछ रूट को अगले २ माह के लिए बिल्कुल बंद कर दिया गया है । जबकि कुछ रूट को डायवर्ट कर दिया गया है । इसके अलावा जीवराज पार्क ब्रिज को भी बंद कर दिया गया है । इसके अलावा शाहपुर के टी सर्कल को भी मेट्रो प्रशासन ने बंद कर दिया है । खानपुर इलाके में भी कई रास्तों को बंद कर दिया गया है । जिससे वाहन चालकों को रिवरफ्रंट होकर जाना पड़ रहा है । गौरतलब है कि इस इलाके में कई व्यावसायिक इकाइयां हैं । इसलिए यहां काम और व्यापार के लिए आने वाले लोगों को बंद की वजह से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।

100% प्रैक्टिकल बेस्ड लर्निंग स्कूल कामरेज विस्तार में मात्र "यूनिटी पब्लिक स्कूल"

वर्तमान समय को देखते हुए हर एक विद्यार्थी में किसी न किसी हुनर का होना बहुत ही आवश्यक है इसलिए यूनिटी पब्लिक स्कूल कामरेज में अपने सभी बच्चों को संपूर्ण रूप से प्रैक्टिकल बेस्ड शिक्षा देने का निर्णय लिया। जिससे बच्चों में नियमित शिक्षा के साथसाथ कौशल शिक्षण का भी ज्ञान हो सके। स्कूल के संचालक रसिकभाई एवं प्रिंसिपल शिव मिश्रा का कहना है कि बच्चे सिर्फ बड़े ही नहीं बल्कि उसे इंप्लीमेंट भी करें और इस सराहनीय कार्य के लिए यूनिटी पब्लिक स्कूल की ओर से सभी शिक्षक गणको शुभकामनाएं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)